RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 109 ● भिलाई, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पीएम मोदी ने राजद पर साधा निशाना

जंगलराज से दूर रहेगा बिहार फिर से एनडीए सरकार...मोदी

छपरा/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को छपरा हवाई अड्डा मैदान में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सारण, सीवान और गोपालगंज जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। पीएम मोदी ने अपने भाषण में महागठबंधन, विशेषकर राजद और कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राजद के शासनकाल में बिहार ने जंगलराज, भ्रष्टाचार और अपराध का दर्द झेला है। प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि एक पल को सोचिए, जंगलराज में क्या-क्या होता था। आज के नौजवानों को शायद इसकी जानकारी न हो, लेकिन आप अपने घर जाकर अपने माता-पिता से पूछिए कि कैसा था वह दौर। उन्होंने आगे कहा कि जंगलराज वाले आज फिर आपको भ्रमित कर रहे हैं, लालच दे रहे हैं, लेकिन उनके छलावे में आने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस दोनों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राजद ने तो घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन कांग्रेस ने नहीं किया, क्योंकि उन्होंने रेट लिस्ट जारी की है। उनकी हर घोषणा के पीछे रंगदारी और भ्रष्टाचार छिपा है। सभा में मौजूद भीड़ से संवाद करते हुए मोदी ने नारा लगवाया, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा 'जंगलराज से दूर रहेगा बिहार', आपको कहना है फिर से एनडीए सरकार। सभा में बड़ी संख्या में

महिलाओं की मौजूदगी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास में माताओं-बहनों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने जीविका दीदी, बैंक सखी और लखपति दीदी जैसे अभियानों से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से बिहार की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। एक करोड़ 30 लाख बहनों के खातों में 10-10 हजार रुपये पहुंच चुके हैं, जिससे वे अपना काम शुरू कर रही हैं। अगर फिर से एनडीए की सरकार बनी, तो इस योजना के तहत और अधिक मदद दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने यह भी जोड़ा कि बिहार के नौजवानों को रोजगार के अवसर देने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। पीएम मोदी ने कहा कि आपने देखा है कि आपका बेटा तो छठी मैया का जय जयकार पूरी दुनिया में कराने में लगा है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। आप मुझे बताइए क्या कोई कभी चुनाव में वोट के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है? क्या बिहार यह अपमान सहन करेगा? राजद और कांग्रेस वाले कैसी बेशर्मी से बोल रहे हैं?

राजद और कांग्रेस वाले बहन-बेटियों को उठाने की धमकियां दे रहे हैं-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि राजद के शासनकाल में करीब 40 हजार अपहरण हुए। राजद को न तब फर्क पड़ता था और न आज आपके सुख दुख से लेना देना है। राजद-कांग्रेस के ताजा प्रचार से ही उनकी नीयत का पता चलता है। चुनाव प्रचार में इनकी बेशर्मी और इनकी हिम्मत देखिए कि यह लोग जनसभा में कैसे बज रहे हैं? इनके गानों में कट्टा, दोनाली, छुरा का जिक्र रहता है। मैं तो ऐसा सोच भी नहीं सकता। इनकी सोच का यह सब प्रतिबिंब है। राजद और कांग्रेस वाले बहन-बेटियों को उठाने की धमकियां दे रहे हैं। यह खेल चल रहा है। यह लोग बिहार की जनता को डरा धमका रहे हैं। इसलिए बिहार की धरती से इन्हें उखाड़ फेंक देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अवैध संबंध में पति की हत्या, पत्नी और प्रेमी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है, जिसमें एक पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को गोली मार दी। पुलिस ने मृतक प्रदीप कुमार की पत्नी चांदनी गौतम और उसके प्रेमी बच्चा लाल को गिरफ्तार कर लिया है। घर से 500 मीटर दूर पर ही प्रदीप कुमार की कुछ लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। शुरुआत में यह मामला सामान्य हत्या का लग रहा था। हालांकि, पुलिस ने मृतक की पत्नी चांदनी गौतम की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की और सर्विलांस तथा गहन पड़ताल के जरिए कड़ियों को जोड़ा, तो चौंकाने वाला सच सामने आया। अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी अमोल मुकुट ने बताया कि मृतक प्रदीप की पत्नी चांदनी गौतम और बांदा निवासी बच्चा लाल के बीच पिछले एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। चांदनी ने अपने प्रेमी बच्चा लाल को पति प्रदीप से यह कहकर मिलवाया था कि वह उसके दोस्त का देवर है, जिससे दोनों में गहरी दोस्ती हो गई।

पार्क स्ट्रीट होटल हत्याकांड में ओडिशा के संबलपुर से मृतक के दो साथी गिरफ्तार

कोलकाता। महानगर की कोलकाता पुलिस को चर्चित पार्क स्ट्रीट होटल हत्याकांड में एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक युवक राहुल राल के होटल से मिले शव की बरामदगी के सिलसिले में ओडिशा से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। मृतक राहुल लाल का शव पिछले शुक्रवार को कमरा नंबर 302 में एक बिस्तर के बॉक्स-खाट में ठूंसा हुआ पाया गया था। गिरफ्तार आरोपियों के नाम शक्तिकांत बेहरा और संतोष बेहरा बताए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों 22 अक्टूबर की रात मृतक राहुल लाल के साथ उसी होटल में ठहरे हुए थे। दोनों को ट्रांनजिट रिमांड पर लेकर कोलकाता लाया जा रहा है। राहुल पिकनिक गार्डन इलाके में अपने मामा के घर में रहता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राहुल की गला दबाकर हत्या की गई थी। हत्या के बाद आरोपितों ने मौत सुनिश्चित करने के लिए उसके सिर पर बियर की बोतल से हमला किया था।

वैद्यबाटी के श्मशान घाट में व्यवस्था की नाकामी से हुई इंसानियत शर्मसार

हुगली। जिले के वैद्यबाटी नगरपालिका अंतर्गत हातिशाला श्मशान घाट से बुधवार को जो तस्वीरें सामने आईं, उन्होंने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। आसमान से झमाझम बारिश हो रही थी और उसी बारिश में लगभग आधे दर्जन शव खुले में पड़े हुए थे। किसी परिजनों के आंसू बरसात में घुल गए, तो कोई अपने प्रियजन के शव पर छाता ताने खड़ा था, लेकिन बारिश और बेबसी दोनों ही रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। श्मशान घाट पर शेड न होने के कारण शवों को खुले में ही रखना पड़ता है। एक-एक कर शवों को विद्युत चूल्हे में जलाया जाता है।

तेजस्वी ही बनेंगे बिहार के अगले सीएम!

राबड़ी देवी बोलीं-जनता का मन बन चुका है.......

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी ने गुरुवार को अपने बेटे और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव की जीत पर भरोसा जताते हुए कहा कि बिहार की जनता ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। एएनआई से बात करते हुए, राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार की जनता ने तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने का मन बना लिया है। वह एक युवा और नए नेता हैं। तेजस्वी यादव जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। अपने बड़े बेटे और राजद से निष्कासित नेता तेज प्रताप यादव के जेजेडी (जनशक्ति जनता

दल) से अलग चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर, राबड़ी देवी ने कहा कि वह अपनी जगह पर सही हैं। महागठबंधन ने पहले ही राजद नेता तेजस्वी यादव को अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की नई युद्ध नीति

त्रिशूल अभ्यास से भारत की हुंकार,तीनों सेनाएं कर रही शक्ति प्रदर्शन! अब आर-पार की तैयारी में है..!

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को त्रिशूल की शुरुआत के साथ अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। त्रिशूल पाकिस्तान सीमा पर 12 दिनों का तीनों सेनाओं का सैन्य अभ्यास है और छह महीने पहले हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उसका पहला युद्धाभ्यास है। त्रिशूल में विशेष बल के कमांडो, मिसाइल बैटरियाँ, युद्धपोत, युद्धक टैंक और राफेल तथा सुखोई स्ह-30 सहित हमलावर विमान शामिल होंगे, जो सिंदूर के बाद की स्थिति में भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारी का परीक्षण करने के लिए दक्षिणी पाकिस्तान में नकली आक्रामक हमले करेंगे। यह अभ्यास गुजरात और राजस्थान में आयोजित किया जाएगा, लेकिन ध्यान गुजरात और विशेष रूप से कच्छ क्षेत्र पर केंद्रित होगा, जो पाकिस्तान के साथ संभावित रूप से नया सीमा विवाद बिंदु है। त्रिशूल, भारतीय सशस्त्र बलों का एक विशाल त्रि-सेवा अभ्यास है जो 30 अक्टूबर से 10 नवंबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। यह अभ्यास भारत की पश्चिमी सीमा पर सर क्रीक क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए पाकिस्तान और उसके द्वारा पोषित और पोषित आतंकवादी तंत्र को कड़ा संदेश

देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह अभ्यास थल सेना, नौसेना और वायु सेना को एक साथ लाकर समन्वित उच्च-तीव्रता वाले अभियानों का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करता है, जिनमें हवाई, थल युद्धाभ्यास से लेकर समुद्री अवरोधन और सटीक हमले शामिल हैं। इसका समय और स्थान स्पष्ट करता है कि त्रिशूल कोई सामान्य प्रशिक्षण नहीं है, बल्कि यह भारत की तत्परता और सिद्धांत को संयुक्त कार्रवाई में बदलने की इच्छा का एक रणनीतिक प्रदर्शन है। मई 2025 में एक बड़े सीमा पार आतंकवादी हमले के जवाब में किए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा समन्वित हमले शामिल थे, जिनका उद्देश्य 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पीओके और पाकिस्तान में आतंकवादी ढाँचे को ध्वस्त करना था। आधिकारिक सारांश और संसदीय उत्तरों में सिंदूर को एक लक्षित, समयबद्ध कार्रवाई बताया गया है जिसमें तनाव को सीमित करने का प्रयास करते हुए सटीक क्षमताओं का उपयोग किया गया था।

अमित शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

पीएम मोदी के बाद अब छठी मैया का अपमान कर रहे हैं..

मुंगेर/ एजेंसी

मुंगेर के असरगंज में तारापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र में छठ महापर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। माताओं और बहनों ने श्रद्धा के साथ छठ मैया की पूजा-अर्चना की। दिल्ली में भी बिहारवासियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। अमित शाह ने कहा कि पूजा के बाद बिहार पहुंचे

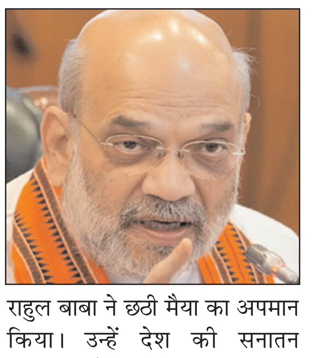

राहुल बाबा ने छठी मैया का अपमान किया। उन्हें देश की सनातन संस्कृति और परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है। उनका ननिहाल इटली में है, इसलिए उन्हें इस महापर्व का महत्व नहीं मालूम। अब वे प्रधानमंत्री के बाद छठी मैया का भी अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जितना अपमान करोगे, उतना कमल खिलेगा। शाह ने आगे कहा कि तारापुर में शहीद दिवस को राजकीय दर्जा दिया गया है और यह समारोह अब राजकीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सम्राट चौधरी को जिताकर पटना भेजें, ताकि उन्हें और बड़ा अवसर मिल सके। अमित शाह ने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग नए कपड़े में नया जंगलराज लेकर आना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार तारापुर को विकास का कोरिडोर बनाएगी। शाह ने याद दिलाया कि लालू-राबड़ी शासनकाल में 11 नरसंहार हुए।

भव्य राम मंदिर में एक साथ आठ हजार भक्त कर सकेंगे दर्शन

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या एक बार फिर ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने जा रही है। राम मंदिर के निर्माण कार्य में तेजी के साथ अब अंतिम रूप देने का चरण शुरू हो गया है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन और ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर बैठकों का दौर जारी है। समिति की ओर से प्रधानमंत्री से अनुरोध किया जाएगा कि वे ध्वजारोहण के साथ परकोटा और सप्त मंदिर का भी अवलोकन करें। राम मंदिर परिसर में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मिश्रा ने बताया कि परिसर में शहीद स्मारक का निर्माण भी पूर्ण गति से जारी है, जो फरवरी 2025 तक पूरा होने की संभावना है।

अफ़ग़ानिस्तान विवाद पर भारत ने लगाई फटकार

पाकिस्तान का सीमा पार आतंक अस्वीकार्य...रणधीर जायसवाल..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत ने गुरुवार को अफ़ग़ानिस्तान के साथ सीमा तनाव के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की और इसे अस्वीकार्य बताया। साथ ही, पाकिस्तान को बेख़ौफ़होकर सीमा पार आतंकवाद फैलाने के लिए फटकार भी लगाई। एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफ़िंग में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान अफ़ग़ानिस्तान द्वारा अपने ही क्षेत्रों पर संप्रभुता का प्रयोग करने से नाराज है। जायसवाल ने संवाददाताओं से कहा कि मैं अपनी पिछली ब्रीफ़िंग

में कही गई बात दोहराता हूँ। पाकिस्तान अफ़ग़ानिस्तान द्वारा अपने ही क्षेत्रों पर संप्रभुता का प्रयोग करने से नाराज़ है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को लगता है कि उसे बेख़ौफ़होकर सीमा पार आतंकवाद फैलाने का अधिकार है। उसके पड़ोसी इसे अस्वीकार्य मानते हैं। भारत अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी इस हफ़्ते तुर्की में हुई शांति वार्ता की विफलता के बाद पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच बिगड़ते संबंधों के बीच आई है। दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया है, दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं और झड़पों में उलझे हुए हैं। डॉन के अनुसार, 11 अक्टूबर की रात को शत्रुता शुरू हुई, जब काबुल में तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर अफ़ग़ानिस्तान के अंदर हवाई हमले करने का आरोप लगाया।

ऑडिशन के बहाने बच्चों को बुलाकर बंधक बनाया

सभी बच्चों को सुरक्षित निकाला गया-आरोपी रोहित आर्या ढेर...

मुंबई/ एजेंसी

मुंबई के पवई इलाके में गुरुवार (30 अक्टूबर) को तनावपूर्ण बंधक स्थिति का नाटकीय अंत हो गया, जब कथित तौर पर आरोपी रोहित आर्या की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई। आर्या, जिसने पहले आरए स्टूडियो के अंदर कई बच्चों को बंधक बनाया था, पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया और उसे जोगेश्वरी ट्रॉमा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ बाद में उसकी मौत हो गई। मुंबई के पवई इलाके में कई बच्चों के अपहरण के आरोपी रोहित आर्या की बंधकों को छुड़ाने के लिए पुलिस की कार्रवाई के दौरान गोली लगने से मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, जब पुलिस बाथरूम के रास्ते आरए स्टूडियो में दाखिल हुई, तो आरोपी एयर गन से लैस था और उसके पास कुछ रासायनिक पदार्थ थे। अधिकारियों ने उसे बार-बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। जैसे-जैसे स्थिति बिगड़ती गई, पुलिस को उसके आक्रामक व्यवहार के जवाब में गोली चलानी पड़ी। इस मुठभेड़ में आर्या को गोली लग गई। उसे तुरंत इलाज के लिए जोगेश्वरी ट्रॉमा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी बच्चों को बचाने की कोशिश के दौरान हुई, जिन्हें परिसर से सुरक्षित निकाल लिया गया। टकराव की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जाँच चल रही है। घटना तब शुरू हुई जब पुणे निवासी मानसिक रूप से विक्षिप्त

रोहित आर्या ने कथित तौर पर एक वेब सीरीज़ के ऑडिशन के बहाने आरए स्टूडियो में 17 बच्चों, एक वरिष्ठ नागरिक और एक अन्य नागरिक को बुलाया। अंदर घुसते ही उसने दरवाज़े बंद कर दिए और समूह को कई घंटों तक बंधक बनाए रखा। पुलिस को दोपहर करीब 1:45 बजे एक आपातकालीन कॉल मिली, जिसके बाद त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और विशेष इकाइयों ने इमारत को घेर लिया। पहले तो बंधकों को शांतिपूर्वक रिहा कराने के लिए बातचीत की कोशिश की गई, लेकिन जब बातचीत विफल रही, तो पुलिस बाथरूम के रास्ते स्टूडियो में घुस गई।एक सावधानीपूर्वक समन्वित अभियान में, पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने 17 बच्चों सहित सभी 19 व्यक्तियों को बचा लिया। बंधकों को स्टूडियो के भूतल पर बंधक पाया गया। पुलिस उपायुक्त दत्ता किशन नलावड़े के अनुसार, बचाए गए सभी लोग सुरक्षित हैं और अपने परिवारों के पास पहुँच गए हैं। अधिकारी ने पुष्टि की कि जाँच का केंद्र आर्या के इरादों और मानसिक स्थिति का पता लगाना था। घटना गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे के आसपास की है। आरोपी की पहचान रोहित आर्य के रूप में हुई है। आरोपी ने एक वेब सीरीज के ऑडिशन के बहाने बच्चों को स्टूडियो में बुलाया था। बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी पहुंचे थे।

बंधक बनाने वाले ने कहा था,उकसाया तो आग लगा दूंगा-रोहित आर्य.....

बताया जा रहा है कि आरोपी रोहित आर्य स्टूडियो में ही काम करता था। उसने एक वीडियो भी जारी किया। इसमें उसने धमकी दी, ' 'मैं रोहित आर्य। मैंने आत्महत्या करने की जगह एक प्लान बनाया और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाया। मेरी कुछ ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी कुछ नैतिक मांगें हैं। कुछ लोगों से सवाल पूछने हैं। मुझे उनके जवाब चाहिए। न मैं आतंकी हूं, न मेरी पैसों की कोई मांग है। मुझे आसानी से बात करनी है, इसी के लिए बच्चों को बंधक बनाया है। अगर जिंदा रहा तो मैं यह करूंगा, लेकिन होगा जरूर। आपकी तरफसे एक छोटा सा कदम मुझे उकसा देगा और मैं पूरी जगह को आग लगाकर मर जाऊंगा। इससे बच्चों को बेवजह नुकसान होगा, वे निश्चित तौर पर डर जाएंगे।

डीएमएफ सप्लाई और माइनिंग कारोबारियों पर ईओडब्ल्यू का शिकंजा, चार जगहों पर रेड

आधा दर्जन से अधिक टीम राजनांदगांव पहुंची, कई अहम दस्तावेज भी जुटाए

■ सुबह से लेकर देर शाम तक अधिकारियों की टीम ने की जांच

राजनांदगाव। संस्कारधानी में बुधवार को व्यापारियों के बीच हड़कंच मच गया। क्योंकि तड़के चार बजे ही ईओडब्ल्यू की टीम ने तीन जगहों पर रेड कार्रवाई की। यह खबर शहर में आग की तरह फैल गई। पहले एसीबी और ईडी की कार्रवाई का अंदेशा लगाया जा रहा था। लेकिन धीरे-धीरे यह साफ हो गया कि कार्रवाई ईओडब्ल्यू की है। दिनभर यह कार्रवाई चलती रही। सूत्रों की मानें मामला डीएमएफ फंड, माइनिंग और गर्वमेंट सप्लाई से जुड़ा हुआ है। सुबह होते ही सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से वायरल होने लगी। सूत्रों की मानें तो ईओडब्ल्यू की टीम 10 गाड़ियों में राजनांदगांव पहुंची। बताया गया कि भारत माता चौक राधाकृष्ण एजेंसी, कामठी लाइन स्थिति ललित भंसाली और गंज चौक निवासी यश नाहटा के घर टीम के अधिकारी पहुंचे। हालांकि अधिकारियों ने किसी भी मीडियाकर्मी से चर्चा नहीं की। लेकिन जो जानकारी निकलकर सामने आई, उसके अनुसार देर शाम तक टीम राजनांदगांव में ही रही। दिनभर दस्तावेजों को खंगालने का काम किया गया। इसके बाद दोपहर को अधिकारियों की टीम ने एक छापेमार कार्रवाई की। इसमें कमल टॉकीज रोड स्थित राठी परिवार के निवास पर टीम पहुंची। वहां भी जांच की जा रही है। हालांकि चार जगहों पर हुई रेड कार्रवाई में क्या मिला, यह स्पष्ट नहीं है। लेकिन कई अहम दस्तावेज मिलने की जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आ रही है। राजनांदगांव के अलावा प्रदेश के तीन अन्य जिलों में भी दर्जनभर संस्थानों में ईओडब्ल्यू की टीम ने छापामार कार्रवाई की है।

अमित बघेल की हेट स्पीच, गिरफ्तारी की मांग, अल्टीमेटम देकर आंदोलन की चेतावनी

तीन समाज के सदस्यों ने पुलिस को सौंपा ज्ञापन, सामाजिक लोगों में दिखा आक्रोश

राजनांदगाव। जोहार छग पार्टी अध्यक्ष अमित बघेल के खिलाफ राजनांदगांव के सामाजिक लोगों ने भी मोर्चा खोल दिया है। उनकी गलत बयानबाजी से आक्रोशित होकर अग्रवाल समाज, सिंधी समाज और अग्रहरि वैश्य समाज ने पुलिस विभाग को ज्ञापन सौंपा और अमित बघेल की गिरफ्तारी की मांग की। दो दिन पहले श्री बघेल ने दीन दयाल उपाध्याय, अग्रसेन महाराज और सिंधी समाज के गुरूओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसे लेकर भी पूरे प्रदेश में उनके खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। लोगों ने चार दिन का अल्टीमेटम दिया है, यदि कार्रवाई होती है तो अग्र आंदोलन की बात कही। ज्ञात हो कि रायपुर में कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को तोड़ दिया गया था। इस पर काफी बवाल मचा और छग की असमिता पर हमला बताकर कांग्रेस और जोहार छग पार्टी ने प्रदर्शन किया था। इसी प्रदर्शन के दौरान अमित बघेल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान समाजिक देवी-देवता और गुरूओं पर टिप्पणी की थी। जिसके बाद से सभी समाज के लोग आक्रोशित है। इसी क्रम में बुधवार को तीनों समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के समक्ष पहुंचे और एडिशनल एसपी राहुल देव शर्मा को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

सामाजिक लोगों ने नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

अग्रवाल समाज, सिंधी समाज और अग्रहरि वैश्य समाज के सदस्य बड़ी संख्या में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर कार्रवाई की मांग की और जमकर नारेबाजी भी की। इस दौरान शरद अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अमर ललवानी, तरूण लहरवानी व अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

बलरामपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त समस्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/सदस्यों को विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के संबंध में जानकारी साझा किया गया। उपस्थित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग,नई दिल्ली द्वारा घोषित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की गई। साथ ही जिला बलरामपुर-रामानुजगंज अंतर्गत 90 नवीन मतदान केन्द्रों की जानकारी दी गई। उपस्थित दलों को 03 अक्टूबर 2025 को जिले के समस्त तहसील कार्यालयों में आयोजित प्रशिक्षण में बूथ लेवल एजेंट को उपस्थित कराने हेतु जानकारी दी गई। उपस्थित राजनीतिक दलों को बताया गया कि जिन दलों ने बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति नहीं की गई है उनसे बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने अनुरोध किया गया। उपस्थित प्रतिनिधियों को वोटर पोर्टल के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में वर्ष-2003 किस मतदान केन्द्र में दर्ज था, उसे खोजने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी चेतन बोरघरिया,मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि गण मौजूद रहे।

पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता से करें लाभान्वित : कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक संपन्न

बलरामपुर। कलेक्टर राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में समय-सीमा की आयोजित मे धान खरीदी, स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, पीएम जनमन गतिविधि, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर प्रगति लाने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में 15 नवंबर से शुरू हो रहे धान खरीदी को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित दिवस पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में एग्रीस्टैक पोर्टल में धान खरीदी के लिए शेष किसानों का पंजीयन जल्द से जल्द पूर्ण कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि योजना अंतर्गत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें कि योजना का लाभ से कोई भी पात्र किसान वंचित न हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, अभिषेक गुप्ता, चेतन बोरघरिया, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाई स्कूल मैदान में सजेगा तीन दिवसीय राज्योत्सव का रंगमंच

बलरामपुर। जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 से 4 नवंबर तक हाई स्कूल मैदान में आयोजित होगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में कलाकार प्रतिदिन अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दर्शक पारंपरिक लोक नृत्य, गीत, कवि सम्मेलन, विभिन्न खेल कूद सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकेंगे।कलेक्टर राजेंद्र कटारा एवं नोडल अधिकारी राज्योत्सव एवं जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने समय-सीमा की बैठक में राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का बेहतर निर्वहन करें। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में राज्य की संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा की झलक देखने को मिलेगी। प्रति दिवस दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

जहां बच्चे छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और राज्य की विविधता को अपने शानदार प्रदर्शन के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। वहीं शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सांस्कृति प्रस्तुतियाँ लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

दीपावली मिलन समारोह के साथ जैन श्री संघ के पदाधिकारियों का गठन

कुम्हारी। विगत दिनों जयचंद वैद के निवास में कुम्हारी जैन श्री संघ द्वारा दिवाली मिलन समारोह का आयोजन समाज के द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों का गठन भी किया गया। इसमें सर्वसम्मति से जयचंद वैद को अध्यक्ष, माणक चंद सेठिया को उपाध्यक्ष, रवि जैन को सचिव एवं शांतिलाल जैन को सहसचिव बनाया गया। कोषाध्यक्ष के पद पर अमित जैन की नियुक्ति की गई। कार्यकारिणी सदस्यों में मुख्य रूप से दिनेश सुराना, राजेन्द्र मुथा, जागेश वैद, बंशल टाटिया, तनय जैन, राजकुमार वैद, मीठा लाल जैन, अशोक बोहरा, प्रकाश जैन, सुनील डागा, भूपेंद्र जैन, नीलेश जैन, अशोक वैद, अर्पण कोराडीया, अरुण वैद, ललित कोठारी, तरुण जैन।

सभी सम्बंधित अधिकारी अनिवार्य रूप से सामान्य सभा में उपस्थित रहें, महापौर के सख्त निर्देश

कोई भी दुविधा होने पर स्पष्ट जानकारी सदन के समक्ष रखना होगा

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम मुख्यालय में दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे नगर निगम के सामान्य सभा कक्ष में आहुत नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक को लेकर निर्धारित एजेंडों और प्रश्नकाल में पार्षदों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सम्बन्ध में तैयारी को अंतिम रूप देने अधिकारियों की आवश्यक बैठक बुलाई. महापौर मीनल चौबे ने अपर आयुक्तविनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता यू. के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, संजय बागड़े, निगम सचिव संगीता साहू, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, उपायुक्तगणों, जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, विभागों के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम सामान्य सभा की बैठक के संबंध मे निर्देश दिए. महापौर मीनल चौबे ने सामान्य सभा की बैठक में सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को पूर्ण जानकारी सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला इकाई बलरामपुर-रामानुजगंज के द्वारा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। पूर्व में चुनाव के समय में कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी के रूप में घोषणा किया गया था जिसके संबंध में ध्यान आकर्षण कराने हेतु मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को स्मरण ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से सौंपा गया है। सौपे गय ज्ञापन में 9 बिन्दुओं की प्रमुख से मांग कि गई है जिसमे छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारी एवं पेंशनरों को केंद्रीय कर्मचारियों की भांति देय तिथि से महंगाई भत्ता तथा पेंशनरों को महंगाई राहत दिया जावे एवं डी ए एरियर्स की राशि जीपीएफ खाते में समायोजित किया जावे,केंद्रीय कर्मचारियों एवं अभिभाजित मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की भांति सेवानिवृत्ति पर छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को भी 240 दिन के स्थान पर 300 दिवस का अवकाश नगदीकरण आदेश जारी किया जाए, संविदा, दैनिक, अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे तथा मध्य प्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए, प्रदेश के सभी संवर्गो के अधिकारी/ कर्मचारियों को सेवा काल में चार स्तरीय वेतनमान संबंधी आदेश शीघ्र जारी की जावे, प्रदेश के सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर किया जाए, शिक्षक/ लिपिक सहित विभिन्न संवर्गो के वेतन विसंगति दूर करने हेतु कमेटी गठित समिति का प्रतिवेदन यथाशीघ्र प्रकाशित कर लागू किया जावे, 7 प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए शिक्षक एलबी संवर्ग को समस्त सेवा का लाभ दिया जावे, उत्तर प्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं पेंशनरों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा एवं बोनस दिया जावे, प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति के 10त्न की सीलिंग समाप्त करते हुए अनुकंपा नियुक्त के सभी पदों पर शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति है दिया जावे। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता, स्वास्थ्य संयोजक संघ के जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार महंत, स्वास्थ्य संयोजक ब्लॉक बलरामपुर अब्राहम तिर्की, अनिल यादव, अतुल कुमार, वीरेन्द्र खाखा के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

निजी हास्पिटलों की मनमानी और लापरवाही से मरीजों की जा रही जान

मिलीभगत का खेल: शुक्ला हास्पिटल की लापरवाही, हेल्थ डिपार्टमेंट कटघरे में, सीएम और पीएम से होगी शिकायत

■ शुक्ला और कृष्णा हास्पिटल की शिकायतें आम, विभाग कार्रवाई से कर रहा परहेज

राजनांदगाव। बसंतपुर रोड स्थित शुक्ला हास्पिटल में महिला की मौत का मामला गरमाता ही जा रहा है। परिजनों और आमजनों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग जांच का हवाला देकर टालमटोल करता दिखाई दे रहा है।

पहले भी कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें विभागीय अफसर कार्रवाई करने से बचते नजर आ रहे हैं। मृतका के परिजनों ने यूथ कांग्रेस नेता निखिल द्विवेदी और उनके समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ कहा कि सरकारी तंत्र निजी अस्पतालों के साथ खड़ा दिख रहा है। दिखावे के लिए शुक्ला हास्पिटल के ऑपरेशन थिएटर को सील किया गया। अब जांच की बात कहकर खानापूर्ति की जा रही है। वहीं सीएमएचओ डॉ. नवरतन कश्यप भी गोलमोल जवाब दे रहे हैं, जबकि इसमें सीधे कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि द्रोपदी देवरी-रीवागंहन निवासी साहू को 24 सितंबर को शुक्ला मल्टीस्पेशलिटी में एडमिट कराया गया। उनकी बच्चेदानी का ऑपरेशन किया गया। इसके बाद द्रोपदी को छुट्टी दे दी गई। सप्ताहभर बाद टांका खोलने के लिए बुलाया गया। इस पर द्रोपदी अपने परिजनों के साथ 6 अक्टूबर को हास्पिटल पहुंची, यहां टांका में इंफेक्शन होना बताया गया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से परिजनों को ब्लड और प्लेटलेट्स की व्यवस्था करने कहा गया। जब परिजना आए तो उन्हें मरीज की कंडीशन खराब होने की बात कही गई, बेटे राहुल साहू ने बताया किया ब्लड प्रेशर लो होने की बात कही गई और हालत गंभीर होने की जानकारी दी गई और कुछ देर के बाद उनकी मृत्यु होना बताया गया।

कृष्णा हास्पिटल में भी आ चुका मामला

राजनांदगांव के प्राइवेट हास्पिटलों में मनमानी की जा रही है। दो महीने पहले जीई रोड स्थित कृष्णा हास्पिटल में भी इसी तरह गर्भवती के इलाज में लापरवाही हुई थी। परिजनों ने गंभीर आरोप भी लगाए। लेकिन प्रबंधन ने मुआवजा देकर मामले को शांत कर दिया। लेकिन यहां भी स्वास्थ्य विभाग को एक्शन लेना था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बाद अब शुक्ला हास्पिटल का मामला सामने आया है, यहां भी विभागीय जांच और कार्यप्रणाली संदेह के दायरे में है।

प्रदेश और केंद्र को लिखेंगे चिट्ठी : निखिल

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव निखिल द्विवेदी लगातार इस मामले में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों की मनमानी चल रही है। शुक्ला हास्पिटल मामले में अब मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा जाएगा। यहां की चिकित्सा व्यवस्था और सरकारी तंत्र किस तरह से काम कर रहा है, इससे अवगत कराया जाएगा। साथ ही इस मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई का आदेश देने की मांग की जाएगी। क्योंकि हास्पिटल में इलाज के बजाय मरीजों को मौत मिल रही है। इसलिए जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

700 बोरी अवैध धान जब्त

रामानुजगंज। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में राजस्व एवं खाद्य व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा सतर्कता के साथ अवैध धान के भण्डारण एवं परिवहन पर पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही लगातार अवैध धान पकड़कर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही भी की जा रही है। ग्राम पंडरी में 700 बोरी अवैध धान जब्त किया गया है। ग्राम पंडरी निवासी चंबलपति के द्वारा बाहर से लाकर अपने घर में अवैध रूप से लगभग 700 बोरी धान भंडारित किया गया था, जिसको जब्त कर मण्डी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

संक्षिप्त समाचार

चक्रवात मोन्था, प्रदेश में भी हो रही वर्षा से किसान चिंतित

रायपुर। प्रदेश में चक्रवात मोन्था के असर आज सुबह से दिखाई पड़ा राजधानी में जहा हल्की वर्षा हुई। वहीं उत्तरी छत्तीसगढ़ में अनवरत वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। बढ़ती नमी के कारण राजधानी में इस समय पतंगा तथा हरा सफेद माहो का प्रकोप दिखाई पड़ रहा है। धान की खड़ी फसलों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कृषि विभाग के अनुसार रायपुर सहित अन्य संभागों में हो रही वर्षा के कारण इस समय धान की कटाई एवं मिजाई में विलंब हो रहा है। खेतों में पानी भरा हुआ है, जिसके कारण हार्वेस्टर नहीं चल पा रहा है। इस समय किसान परेशान है, खेतों में भूरा माहो का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसके कारण धान की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। किसानों के अनुसार इससे धान की क्वालिटी पर असर पड़ेगा। किसानों के अनुसार यह वर्षा हानिकारक है। डॉ. चन्द्रा ने बताया कि चक्रवाती तूफान रिजर्व हो गया है तथा आज समुद्र तट से टकरा गया है, जिसके कारण अब इसका असर ओड़िशा, आन्ध्रप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में दिखाई पड़ रहा है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मोन्था के प्रभाव के कारण 27 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है और 29 अक्टूबर को मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। रजत राज्योत्सव-2025 : कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने राज्योत्सव स्थल का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवम्बर को करेंगे रजत राज्योत्सव का शुभारंभ

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रवास एवं राज्योत्सव-2025 की तैयारियां कार्यक्रम स्थल में जोरो से की जा रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह आज शाम मौके पर पहुंचे और रात तक तैयारियों का जायजा लेते रहे। उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर, राज्योत्सव स्थल में निर्माणधीन मुख्य मंच एवं अन्य डोम का अधिकारियों के साथ पहुंचकर निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को युद्धस्तर पर तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राज्योत्सव स्थल में 24 एकड़ में भव्य राज्योत्सव मेला का निर्माण किया जा रहा है। यहां मुख्य मंच के साथ तीन बड़े एवं चार छोटे डोम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 80 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। सभी डोम में सुरक्षा के मद्देनज़र बैरिकेडिंग की गई है और आगंतुकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 80 सेक्टर तैयार किए जा रहे हैं। मुख्य परिपथ मार्ग का निर्माण कार्य भी जारी है, जहां से प्रधानमंत्री मोदी गुजरेंगे एवं जनता का अभिवादन स्वीकार करेंगे। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण कर पुलिस बल को सतर्क एवं मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर नम्रता जैन (आईएएस), जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित पुलिस एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कोल इंडिया की स्वर्ण जयंती पर इंडिया पोस्ट ने विशेष आवरण जारी किया

रायपुर। भारत के कोयला क्षेत्र को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल के तहत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), जो कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी है, ने डाक विभाग, छत्तीसगढ़ परिमंडल के सहयोग से इंडिया पोस्ट का विशेष आवरण जारी किया। यह आवरण कोल इंडिया की स्वर्ण जयंती (50 वर्ष) तथा एसईसीएल की रूबी जयंती (40 वर्ष) के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इस अवसर पर एक विशेष निरस्तीकरण कैशे का भी अनावरण किया गया। यह समारोह सरकार की स्पेशल कैंपेन 5.0 पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें श्री पी. एम. प्रसाद, अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड, तथा श्री हरीश दु:हान, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा डाक विभाग, छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हुए। यह विशेष आवरण एक संग्रहणीय डाक-फिलेटेलिक निर्गम है, जो कोल इंडिया के पाँच दशकों की अभूतपूर्व उपलब्धियों तथा एसईसीएल की चार दशकों की परिचालन उत्कृष्टता और नवाचार को अमर करता है। यह आवरण भारत की औद्योगिक प्रगति और संस्थागत विरासत के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। स्पेशल कैंपेन 5.0 के अंतर्गत यह पहल सरकार की संस्थागत स्वच्छता, अभिलेख प्रबंधन की दक्षता तथा सार्वजनिक उपक्रमों की ऐतिहासिक उपलब्धियों को स्मरणीय बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। 1975 में स्थापित कोल इंडिया लिमिटेड, जो विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है, देश की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ रही है। यह भारत की कोयला आवश्यकता का 70 प्रतिशत से अधिक आपूर्ति करती है।

आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा जहां देशभर के आदिवासियों के प्रेरणापूंज

आदिवासी वीर नायकों को समर्पित है देश का पहला संग्रहालय

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर इस संग्रहालय का लोकार्पण करने जा रहे हैं।

रायपुर/ संवाददाता

आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा जहां देशभर के आदिवासियों के प्रेरणापूंज है। ठीक उसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी फिरंगियों के विरूद्ध बिगुल फूंकने का काम सोनाखान के जमींदार वीर नारायण सिंह ने किया। उन्होंने फिरंगियों की दमन और शोषणकारी नीतियों के विरूद्ध विद्रोह का बिगुल फूंका और उनसे लड़ते हुए शहीद हुए। उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रथम शहीद माना जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शहीद वीर नारायण सिंह और फिरंगियों के विरूद्ध संघर्ष करने वाले आदिवासी नायकों की स्मृतियों को संजोने और भावी पीढ़ी तक उनके प्रेरणास्पद कार्यों को पहुंचाने के लिए नवा रायपुर में संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पूरा आदिवासी समाज गौरवान्वित है। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि नवा रायपुर के सेक्टर 24 में तैयार किया जा रहा है भव्य संग्रहालय अपने आप में अनूठा है। यह देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है। लगभग 50 करोड़ रूपए की लागत से इस संग्रहालय को तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर इस संग्रहालय का लोकार्पण करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। उन्होंने जनजाति समाज को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए देश का सबसे बड़ा अभियान पीएम जनमन और प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना शुरू की। इस अभियान के तहत जनजाति इलाकों में सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाओं के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह का भव्य स्मारक भी बनाया

गया है। साथ ही यहां छत्तीसगढ़ में आदिवासी विद्रोहों हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम, परलकोट, तारापुर, लिंगागिरी, कोई, मेरिया, मुरिया, रानी चौरिस, भूमकाल, सोनाखान विद्रोहों के साथ ही झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह की जीवंत झलक दिखाई गई है। इन विद्रोहों को अलग-अलग 14 सेक्टरों में बांटा गया है। अत्याधुनिक इस डिजिटल संग्रहालय में आगतुंकों के लिए वीएफएक्स टेक्नोलॉजी, प्रोजेक्शन, डिजिटल स्क्रीन, मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर सरगुजा कलाकारों की नक्काशीदार पैनल, 1400 वर्ष पुराने साल-महुआ और साजा वृक्ष की प्रतिकृति जिसकी पत्तियों पर 14 विद्रोहों की डिजिटल कहानी उकेरी गई है। यह वृक्ष मोशन फिल्मों की तरह पूरे विद्रोहो की कहानी बतलाती प्रतीत होगी। इस संग्रहालय में सेल्फी पॉइंट, दिव्यांग सुविधाएं, सीनियर सिटीजन के लिए विशेष इंतजाम, ट्राइबल आर्ट से सजा फर्श, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद गैंदसिंह और रानी गाइडल्यू की मूर्तियां भी लगाई गई है, जो लोगों के लिए प्रेरणाप्रद होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कहते हैं कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ जनजातीय संस्कृति का वैश्विक केंद्र बनेगा। यहां आने वाले लोगों को आदिवासी वीर नायकों की शौर्य गाथा से गर्व की अनुभूति होगी। यह आदिवासी समाज की पूर्वजों की स्मृति है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

छग में 2.12करोड़ मतदाताओं के एसआईआर की तैयारी में

- प्रदेश में 1 करोड़ 4 लाख 27,834 पुरुष और 1 करोड़ 6 लाख 76,821 महिला मतदाता
- भूपेश बघेल ने चुनाव आयोग और सरकार पर लगाए आरोप

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में होने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोग के अनुसार प्रदेश में 2.12 करोड़ मतदाताओं का नाम है, जिनकी जांच की जाएगी। वहीं इसे लेकर विपक्ष के कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग और सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की तैयारी पूरी कर ली गई है। केंद्रीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मंगलवार से प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रदेश में 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार मतदाता हैं। प्रदेश में पंचायत चुनाव में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने 1 जनवरी 2025 की तिथि में मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 11 लाख 5,391 बताई थी। इसमें 1 करोड़ 4 लाख 27,834 पुरुष, 1 करोड़ 6 लाख 76,821 महिला और 736 तृतीय जेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार एसआईआर को लेकर पुरानी और वर्तमान लिस्ट का मिलान किया जा चुका है। प्रदेश के सभी जिलों में एसआईआर एक साथ लागू किया जाएगा। सर्वे को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। एसआईआर में नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे और लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा। बीएलओ घर-घर जाकर 2003 की लिस्ट से मिलान करेंगे और कमियों को दूर करेंगे। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने केंद्रीय निर्वाचन आयोग के एसआईआर के निर्णय का स्वागत किया है।

सड्डू विज्ञान केन्द्र मुख्य मार्ग के रोड डिवाइडर की स्ट्रीट लाईटों को तत्काल चालू कर किया गया निदान

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के विद्युत विभाग को प्राप्त स्ट्रीट लाईट विज्ञान केन्द्र सड्डू मुख्य मार्ग में नहीं जलने की प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, विद्युत विभाग अध्यक्ष श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, जोन 9 जोन अध्यक्ष श्री गोपेश साहू, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर पालिक निगम मुख्यालय विद्युत विभाग की टीम ने नगर निगम अधीक्षण अभियंता श्री संजय बागड़े और कार्यपालन अभियंता श्री सन्दीप शर्मा के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन, 9 क्षेत्र अंतर्गत कुशभाऊ ठाकरे वार्ड क्षेत्र अंतर्गत बलौदा बाजार मार्ग से विज्ञानं केन्द्र।

एसआईआर प्रक्रिया एक अच्छा कदम

हम चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं-मुख्यमंत्री साय

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने को एक अच्छा कदम बताया है, उन्होंने कहा कि हम आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं। राजधानी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया को उचित कदम बताते हुए इसे बहारी तथा गलत लोगों को मताधिकार नहीं मिलेगा। ज्ञात रहे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने के पश्चात राजनीति सियासत तेज हो गई थी जिससे सत्तारूढ़ दल और

विपक्ष आमने सामने हो गए थे। जिसके कारण आयोग भी विवाद के घेरे में आ गया था। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार है। वहीं, 24 हजार 371 मतदान केन्द्र हैं। एसआईआर के लिए हर एक मतदान केन्द्र पर बीएलओ तैनात रहेंगे। राजनीतिक दलों के 38 हजार 368 बीएलए तथा मतदाता सूची तैयार करने के लिए 467 ईआरओ व एईआरओ की भी नियुक्ति की जा चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा के मुताबिक सोमवार की रात से मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। इसके साथ ही नए नाम जोड़ने पर अस्थायी रोक रहेगी। आयोग के निर्देश पर सभी जिलों में अधिकारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। बीएलओ अब घर घर जाकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन करेंगे। प्रत्येक बीएलओ एक घर में तीन बार दौरा करेगा, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए।

पेपरलेस सिस्टम और ग्रीन टेक्नोलॉजी से लैस नया छत्तीसगढ़ विधानसभा.......

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनने जा रहा है। नवा रायपुर में स्थित नया विधानसभा भवन राज्योत्सव के अवसर पर 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस भव्य भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन न केवल प्रदेश की शासन व्यवस्था का नया केंद्र बनेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और आधुनिक तकनीक के समन्वय का जीवंत प्रतीक भी साबित होगा। धान की खुशबू, बस्तर की कला और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह इमारत अब राज्य की नई पहचान बनने को तैयार है। इस भवन का निर्माण लगभग 273.11 करोड़ रुपए की स्वीकृत लागत से किया गया है। इसे अगले 100 वर्षों की प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। नई विधानसभा भवन को तीन ब्लॉकों में बांटा गया है। ब्लॉक ए में विधानसभा सचिवालय, सचिव कार्यालय और कर्मचारियों के दफ्तर होंगे। ब्लॉक बी मुख्य कार्यस्थल है, जहां विधानसभा की कार्यवाही चलेगी। इसमें विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और उपाध्यक्ष के कक्ष के साथ सदस्यों के लाउंज, डाइनिंग एरिया और प्रमुख सचिवों के कार्यालय भी बनाए गए हैं। ब्लॉक सी में मंत्रियों और विधायकों के कक्ष होंगे, जबकि लोअर ग्राउंड फ्लोर में रेलवे रिजर्वेशन, पोस्ट ऑफिस, बैंक और मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई गई है। भवन का हर हिस्सा छत्तीसगढ़ की आत्मा को दर्शाता है, इसकी छतों और दीवारों पर धान की बालियों की आकृति उकेरी गई है, जो राज्य की कृषि परंपरा और समृद्धि का प्रतीक है। वहीं, फर्नीचर से लेकर कलात्मक सजावट तक में बस्तर के शिल्पकारों की मेहनत झलकती है। भवन की वास्तु संरचना पूरी तरह इको-फ्रेंडली रखी गई है। परिसर में जल और ऊर्जा संरक्षण की व्यवस्था, खूबसूरत गार्डन और वैदिक वास्तु सिद्धांतों के आधार पर लगाए गए पौधे इसकी विशेषता बढ़ाते हैं। नई विधानसभा पूरी तरह स्मार्ट बिल्डिंग है। यहां पेपरलेस कार्य प्रणाली अपनाई गई है और हर कक्ष डिजिटल सुविधाओं से लैस है। इसमें 500 सीटों वाला आधुनिक ऑडिटोरियम, लाउंज, ग्रीन रूम, प्रशासनिक कक्ष, हाईटेक लाइब्रेरी और दिव्यांगजनों के लिए रैम्प जैसी सुविधाएं हैं। संसद की तर्ज पर 200 लोगों के बैठने वाला सेंट्रल हॉल तैयार किया गया है, जिसमें देश के महापुरुषों की तस्वीरें सुसज्जित की जाएंगी। भवन की डिजाइनिंग में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है।

एम्स रायपुर द्वारा 68 गुर्दा प्रत्यारोपण और 91 नेत्र कॉर्नियल प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया

रायपुर। एम्स रायपुर में गत दिनों भारत में अंगदान और ज़ीनोट्रांसप्लांटेशन बढ़ाने के उपाय विषय पर एक ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान डॉ. दिपांकर भौमिक, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने भारत में अंगदान दर बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया और ज़ीनोट्रांसप्लांटेशन के उभरते क्षेत्र पर प्रकाश डाला। डॉ. भौमिक ने बताया कि भारत में हर वर्ष लगभग पाँच लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, किंतु मृतक अंगदाता दर विश्व में सबसे कम है—लगभग 0.5 प्रति मिलियन जनसंख्या, जबकि स्पेन में यह 48 प्रति मिलियन और अमेरिका में उससे भी अधिक है। भारत अंग प्रत्यारोपण में तीसरे स्थान पर है, परंतु अधिकांश दाता जीवित व्यक्ति हैं। उन्होंने जनजागरूकता, मीडिया के माध्यम से प्रचार, और स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा के ज़रिए मृतक अंगदान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने अस्पताल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, ब्रेन डेथ की घोषणा पर प्रशिक्षण, और शोक परामर्श की व्यवस्था की जरूरत पर बल दिया। साथ ही उन्होंने अंगदान करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने और धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की भी अपील की।

पति के निधन के बाद भी नहीं टूटा हौसला, पीएम आवास योजना ने दिलिन बाई के सपना को दिए पंख

- मनरेगा से मजदूरी, स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय निर्माण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, विधवा पेंशन व महतारी वंदन योजना का मिल रहा लाभ
- कभी जर्जर कच्चे मकान में जीवन बिताने वाली 85 वर्षीय श्रीमति दिलिन बाई पटेल आज शासन की योजनाओं से पा रही हैं सुख, सम्मान और आत्मनिर्भरता

रायपुर/ संवाददाता

जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलादेही की ग्राम मौहाडीह निवासी 85 वर्षीय श्रीमति दिलिन बाई पटेल, पति स्व. कन्हैया लाल पटेल का जीवन उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए आज एक नई प्रेरणा बन गई हैं। कभी अपने पति के साथ एक पक्के घर का सपना देखने वाली दिलिन बाई के लिए पति का निधन जीवन की सबसे कठिन समय था। उन्हें लगा कि अब उनका आशियाना अधूरा रह जाएगा। परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके उस अधूरे सपने को पूरा किया। सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011 की स्थायी प्रतीक्षा सूची में नाम होने के कारण ग्राम सभा द्वारा वर्ष 2024-25 में उनका चयन हुआ। जनपद पंचायत बम्हनीडीह द्वारा प्रस्ताव स्वीकृत होने पर जिला पंचायत जांजगीर-चांपा से स्वीकृति मिली। प्रथम किश्त के रूप में 40 हजार मिलने के बाद उन्होंने उत्साह के साथ घर का निर्माण प्रारंभ किया। तत्पश्चात द्वितीय किश्त 55 हजार एवं तृतीय किश्त 25 हजार प्राप्त कर उन्होंने अपने पति के सपनों को मूर्त रूप दिया। निर्माण में मनरेगा के तहत 90 दिवस की मजदूरी से भी उन्हें सहारा मिला। दिलिन बाई भावुक होकर कहती हैं मेरे पति का सपना था कि हम पक्के घर में रहें। आज वह सपना प्रधानमंत्री आवास योजना से पूरा हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत उन्हें मुफ्त गैस कनेक्शन मिला, जिससे अब वे धुएं से मुक्त होकर गैस चूल्हे पर भोजन बनाती हैं। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन, विधवा पेंशन योजना और महतारी वंदना योजना से उन्हें अतिरिक्त सहयोग मिला है। श्रीमति दिलिन बाई आज सम्मानपूर्वक, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रही हैं। कच्चे घर से पक्के जीवन की ओर दिलिन बाई की प्रेरणादायक कहानी हर महिला के हौसले की मिसाल है।

उपमुख्यमंत्री ने लोरमी के भव्य मानस मंच के जीर्णोद्धार कार्य का किया लोकार्पण

लोरमी के लिए 123 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

- लोरमी के चौक-चौराहों में लगे सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, अपराध में आएगी कमी, ट्रैफिक व्यवस्था होगी दुरुस्त : उप मुख्यमंत्री
- कार्यक्रम में आए वरिष्ठजनों को उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बेर से बनी प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री अरुण साव ने आज लोरमी के भव्य मानस मंच के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल 123 करोड़ रुपए की लागत से पांच

सड़कों के निर्माण कार्य, चौक-चौराहों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का लोकार्पण, तथा एक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। साथ ही लोरमी के निजी अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन समर्पित किया। श्री साव ने कार्यक्रम में आए वरिष्ठजनों को बेर से बनी प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। आगामी 2 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रसिद्ध कथा वाचक चिन्मयानंद बाबू जी मानस मंच पर श्रीराम कथा का वाचन करेंगे। 10 नवंबर को कथा का समापन होगा। श्री साव ने समस्त लोरमी वासियों को कथा श्रवण के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में श्री साव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि लोरमी के मानस मंच का लोकार्पण मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। यह मंच लोरमी नगर की आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। 1982 में स्थापित यह मंच पिछले 45 वर्षों से सतत कथा आयोजन का केंद्र रहा है, जहां नगरवासी और श्रद्धालु बड़े-बड़े विद्वानों से श्रीराम कथा का श्रवण करते आए हैं। उन्होंने कहा कि दीवारों पर श्रीरामचरितमानस के चित्रों के साथ अंकन का उद्देश्य समाज में धार्मिक, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रसार करना है। जब लोग इन चौपाइयों को पढ़ेंगे और जीवन में उतारेंगे, तो निश्चित रूप से उनके जीवन में सुख, शांति और सदाचार का संचार होगा। हमारे भगवान श्रीराम जीवन को सतमार्ग की ओर ले जाने वाले आदर्श हैं। इस अवसर पर नगरवासियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर अयोध्या के स्वरूप में प्रभु श्रीराम के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किया। मानस मंच

संपादकीय

कब मिलेगी राहत

छठ पर्व शुरू हो चुका है, लेकिन बिहार के लोगों की घर पहुंचने की जद्दोजहद जारी था। रेलवे के मुताबिक, इस बार 12 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं और पिछले साल की तुलना में इस बार विशेष रेलगाड़ियां 56त्न ज्यादा फेरे लगाएंगी। हालांकि बिहार जाने वाली ट्रेनों से आ रही तस्वीरें बता रही हैं कि इतने इंतजाम भी पर्याप्त साबित नहीं हो रहे।बिहार के लिए किसी भी ट्रेन में पैर रखने तक की जगह नहीं है। रिजर्वेशन बेमायने हो गए हैं और रातभर खड़े रहकर या उकड़ू बैठकर यात्रा करना आम। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाया, तो जवाब में रेलवे की तरफ से कहा गया कि त्योहारों के समय भीड़ स्वाभाविक है और विभाग यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है।लेकिन, यह स्थिति केवल इस बार की नहीं है। हर साल त्योहारों पर, खासकर छठ पर ट्रेनों में जगह मिलना जंग जीतने की तरह हो जाता है। स्पेशल ट्रेनें हर साल चलाई जाती हैं, पर उसी अनुपात में लगता है कि भीड़ भी बढ़ जाती है। इस समस्या के दो पहलू हैं - रेलवे इंफ्रा और पलायन। पिछले 10 साल में करीब 34 हजार नई रेल लाइन बिछाई गई है। इस दौरान वंदेभारत और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी नई ट्रेनें उतारी गईं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे को अब तक का सबसे बड़ा 2.65 लाख करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यात्री सुविधाओं में सुधार पर फोकस है। विशेषकर नई रेलवे लाइन के लिए 32.23 हजार करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं। यह तो हुई आंकड़ों की बात। सच यह है कि इसके बावजूद बिहार जाने वाले यात्रियों के हिसाब से ट्रेनों की कमी है।इस समस्या का दूसरा पहलू जुड़ा है पलायन से। मन से किए गए विस्थापन और मजबूरी के विस्थापन में गहरा अंतर है। बिहार की एक बड़ी आबादी रोजी-रोटी के संकट की वजह से घर छोड़ती है। इस बार विधानसभा चुनाव प्रचार में प्रशांत किशोर ने यह मुद्दा उठाया भी, लेकिन इसे जितनी तवज्जो मिलनी चाहिए थी, नहीं मिली। चुनाव की वजह से इस बार बिहार की ट्रेनों में भीड़ की तरफ नेताओं का ध्यान गया और इस पर चर्चा हुई। लेकिन, यह समस्या केवल चुनावी नहीं है। दूरगामी उपाय तो किए ही जाने चाहिए, ऐसे फौरी कदम भी उठाए जाएं जिससे त्योहार संघर्ष का मौका बनकर न रह जाए।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला ज़हर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर [।लिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

(ललित गर्ग)

प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गई, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आई। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है।

दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान, निकाल दिया भारत-अमेरिका रिश्तों में आई 'समस्या' का समाधान!

(नीरज कुमार दुबे)

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है। भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के 'स्वाभाविक साझेदारी' वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे 'अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण' करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है। रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत 'हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी' है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि 'हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे।' यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने 'संघर्ष विराम में मध्यस्थता' की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध 'भारत की कीमत पर नहीं होंगे', लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा। साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि 'भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है' यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज़ ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है। इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है। इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव– चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है। देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक 'पार्टनर' नहीं बल्कि एक 'पोल', यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प प्रशासन के 50 प्रतिशत टैरिफ का कोई असर नहीं

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है।

(प्रह्लाद सबनानी)

माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है। भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है।

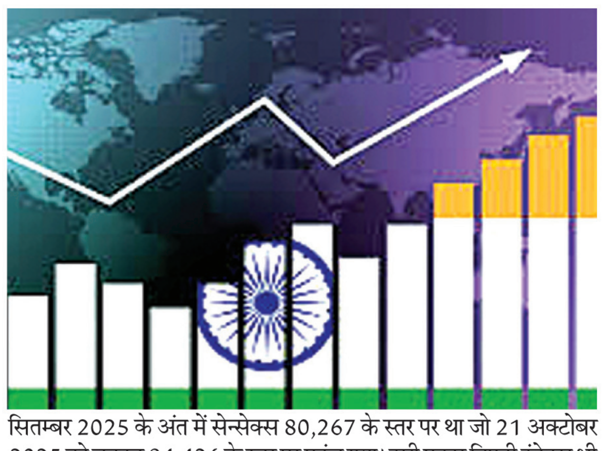

सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टूबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वपिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

अमेरिका में बैकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)।

जनदर्शन में दिव्यांग मलसाय नेताम को तत्काल मिला राशन कार्ड

कोण्डागांव। कलेक्टर जनदर्शन के दौरान ग्राम सोडमा निवासी मलसाय नेताम की समस्या का समाधान तत्काल कर दिया गया। मलसाय बचपन से ही दिव्यांग हैं, परंतु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कक्षा 10 तक की शिक्षा प्राप्त की। उनका परिवार मुख्यतः खेती पर निर्भर है। मलसाय अपने भाइयों के साथ घर के छोटे-मोटे कार्यों में सहयोग करते हैं। जनदर्शन के दौरान मलसाय ने राशन कार्ड न होने की समस्या कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के समक्ष रखी। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए खाद्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया कि उनका राशन कार्ड तुरंत तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराएं। शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही मलसाय नेताम को राशन कार्ड प्रदान किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप आज मलसाय को कलेक्टर जनदर्शन में राशनकार्ड मिलने से राहत मिली है। मलसाय ने तत्काल राशन कार्ड मिलने पर प्रसन्नता शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त की।

जनदर्शन में कुल 39 आवेदन प्राप्त

साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला मुख्यालय के सभा कक्ष में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित और प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिले के विभिन्न ग्रामों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें प्रस्तुत कीं। जनदर्शन में ग्राम सोड़सिवनी निवासी रामसिंह शोढी ने हेण्ड पम्प खनन की मांग कीए ग्राम बड़े ओड़ागांव निवासी सुकूराम नाग ने सीसी रोड़ की मांग कीए ग्राम मगेदा निवासी बसमन नेताम ने नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र की मांग की। इसके अलावा जनदर्शन में लगभग कुल 39 आवेदन प्राप्त हुएए जिन पर कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दलाल के चंगुल से छूटे 18 मजदूर, बीजापुर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से कर्नाटक से सकुशल घर लौटे ग्रामीण

बीजापुर। ज्यादा मजदूरी और अच्छे काम का लालच देकर जिले के दो ग्राम पंचायतों – कड़ेनार से 11 और घुमरा से 7 – कुल 18 ग्रामीणों को एक दलाल सीनू श्रीनिवास अगस्त माह में तेलंगाना राज्य ले गया था। ग्रामीणों को यह व्यक्ति मजदूरी दिलाने के बहाने बाहर लेकर गया, लेकिन बाद में उनके साथ धोखाधड़ी की गई। मिली जानकारी के अनुसार, श्रमिक मनोज ताती ने बताया कि पहले इन मजदूरों को तेलंगाना के करीमनगर में काम कराया गया, फिर दलाल द्वारा महाराष्ट्र के नांदेड़ भेज दिया गया। इसके बाद वही दलाल सीनू श्रीनिवास ने सभी मजदूरों को कर्नाटक राज्य के जिला बागलकोट अंतर्गत बिगड़ी गांव जानमट्टी में एक साहूकार के यहां 5 लाख में काम पर लगा दिया। लेकिन मजदूरों को मेहनताना नहीं दिया गया और दलाल फरार हो गया। मजदूर छत्तीसगढ़ लौटना चाहते थे, पर साहूकार उन्हें छोड़ नहीं रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए एक संयुक्त रेस्क्यू टीम गठित की गई। इस टीम में श्रम निरीक्षक लोकेंद्र वैष्णव, राजस्व निरीक्षक यशवंत राव और सहायक उप पुलिस निरीक्षक बलदेव कुड़ियाम शामिल थे, जिन्हें तत्काल जिला बागलकोट, कर्नाटक रवाना किया गया। स्थानीय प्रशासन की मदद से टीम ने सभी 18 श्रमिकों को सकुशल छुड़ाया और 1,36,100 की बकाया मजदूरी राशि भी दिलवाई। रेस्क्यू टीम ने 28 अक्टूबर 2025 को सभी मजदूरों को बीजापुर वापस लाया और 29 अक्टूबर को उनके गृहग्राम कड़ेनार व घुमरा में सुरक्षित पहुंचा दिया गया। इस सफल अभियान के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और श्रम विभाग सक्रिय भूमिका निभाई।

मुख्यधारा में लौटे 51 माओवादी कैडर पूना मारगेम, पुनर्वास से पुनर्जीवन

बीजापुर। राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और शांति, संवाद एवं विकास पर केंद्रित निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप आज 51 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में शामिल होने वाले इन कैडरों में 09 महिला एवं 42 पुरुष सदस्य शामिल हैं, जिन पर कुल रू.66 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। इन 51 कैडरों में –पीएलजीए बटालियन नं. 01 एवं कंपनी नंबर 01, 02 व 05 के 05 सदस्य, एसीएम-01, प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी सदस्य -07, एलओएस सदस्य -03, मिलिशिया प्लाटून कमांडर -01, मिलिशिया प्लाटून सदस्य -14, तथा आरपीसी - जनताना सरकार, डीएकेएमएस और सीएनएम के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य -20 शामिल हैं, जिन्होंने हिंसक और जनविरोधी विचारधारा को त्यागकर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। वर्ष 2025 में जिला बीजापुर में 461 माओवादी मुख्यधारा में शामिल हुए एवं सुरक्षा बलों की कार्यवाही में 138 माओवादी मारे गये।

पोस्ट ऑफिस की महिला कर्मी ने किराए के मकान में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोण्डागांव। जिले के बुनागांव ग्राम में बुधवार की सुबह एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां डाकघर (पोस्ट ऑफिस) में कार्यरत एक युवती ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका की पहचान तरुणा भूआर्य (20 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूलतः मोहला-मानपुर क्षेत्र की निवासी थी। बताया जा रहा है कि वह पिछले लगभग 9 से 10 महीने से बुनागांव में किराए के मकान में रहकर डाकघर में अपनी सेवाएं दे रही थी। आज सुबह जब आसपास के लोगों ने उसे कमरे के अंदर फंदे से लटका देखा, तो इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सिटी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आघात और दुख व्याप्त है।

कलेक्टर ने धान खरीदी हेतु किसानों के पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को समय सीमा की बैठक में धान खरीदी राज्योत्सव और बस्तर ओलंपिक के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में एग्रीस्टैक पोर्टल में धान खरीदी के लिए शेष किसानों का पंजीयन जल्द से जल्द पूर्ण कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने राज्योत्सव के तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देश देते हुए विभिन्न विभागों को विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रदर्शन की तैयारी हेतु निर्देशित किया। साथ ही बस्तर ओलंपिक के विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु सभी जनपद सीईओ को तिथि निर्धारित करते हुए अनिवार्य रूप से मेडिकल टीम की ड्यूटी लगाने सहित सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण करने हेतु कहा गया। कलेक्टर ने धान खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन को पूरा करने के साथ बरसाना की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पीडीएस दुकानों से बारदाना संग्रहण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजनान्तर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने को कहा। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिया कि हाई रिस्क वाले गर्भवती महिलाओं के निगरानी में लापरवाही न बरतें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गंभीरता के साथ दायित्वों का निर्वहन के निर्देश दिए और कहा कि ऐसे प्रकरणों की सतत निगरानी और समय पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराएं। कलेक्टर ने जिले के लखपति दीदियों के एफडी करानेए जीवन ज्योति योजनाए आयुष्मान कार्ड योजना और सुकन्या समृद्धि जैसे योजनाओं से जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाए प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रगति और निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई।

एलपीजी वितरकों ने सेवा शुल्क बढ़ाने की मांग, चरणबद्ध आंदोलन

भानुप्रतापपुर। देशभर में एलपीजी वितरकों ने सेवा शुल्क बढ़ाने की माँग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया है कांकेर में भी आंदोलन की शुरुवात की गई। इंडियन ऑयल, एचपीसीएल, बीपीसीएल के एलपीजी वितरकों ने सेवा शुल्क में बढ़ोतरी की माँग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा पत्र में सचिव भारत सरकार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नाम से कलेक्टर के द्वारा अपर कलेक्टर सरस्वती बंजारे को ज्ञापन सौंपा गया जिसमे कांकेर जिला के एजेंसी संचालक और जिला के फेडरेशन के अध्यक्ष श्री टिकेन्द्र प्रताप दुग्गा बजरंग इंडेन कांकेर, टिकेश साहू अरौद एचपी गैस ,सुखचंद नेताम मवलिपारा इंडेन साल्हे एचपी गैस गौतम उइके, भोपेश नेताम एचपी गैस नरहरपुर शिवनाथ इंडेन भानुप्रतापुर संजय नायक, लखनपुरी भारत गैस समीर कुरैशी, अंतागढ़ एचपी गैस गौतम जयसवाल पूजा एचपी चारामा धीरज साहू बासनवाही इंडेन ईश्वरी नेताम कोरर एचपी गैस राहुल ठाकुर एवं अन्य लोग शामिल थे।

हेलमेट बैंक का कोण्डागांव से शुभारंभ, जिन्दगी का सफर सुरक्षित रखें, हेलमेट जरूर पहनें थीम पर शुरू हुई नई पहल

कोण्डागांव। जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए अब प्रशासन ने एक सराहनीय कदम उठाया है। सड़क सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हेलमेट बैंक योजना की शुरुआत कोण्डागांव के ग्राम पंचायत मसोरा से की गई। जिन्दगी का सफर सुरक्षित रखें, हेलमेट जरूर पहनें थीम पर आधारित इस अनूठी पहल का शुभारंभ कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने रिबन काटकर किया। ग्राम पंचायत मसोरा के पंचायत भवन में इस योजना के तहत 15 हेलमेट रखे गए हैं, जिनका निःशुल्क उपयोग ग्रामीण कर सकेंगे। यदि किसी व्यक्ति के पास हेलमेट नहीं है, तो वह ग्राम पंचायत से हेलमेट लेकर यात्रा कर सकता है और वापसी के बाद उसे पुनः पंचायत कार्यालय में जमा करना होगा ताकि अन्य लोग भी उसका उपयोग कर सकें। इस व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हेलमेट पहनने की आदत विकसित करना है। कलेक्टर ने बताया कि प्रारंभिक चरण में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के किनारे स्थित ऐसे पांच ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है, जहाँ पिछले कुछ वर्षों में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएँ हुई हैं। इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए जनपद पंचायत केशकाल के ग्राम मस्सुकोकोड़ा, फरसगांव जनपद के ग्राम चिचाड़ी व लंजोड़ा तथा कोण्डागांव जनपद के ग्राम बनियागांव व दहिकोंगा को चयनित किया गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अतुल आसैया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपेश डांडे, उप पुलिस अधीक्षक सतीश भार्गव, जनपद सदस्य अनिल कोर्राम, सरपंच सुकली बाई मरकाम, सरपंच भुनेश्वरी सोरी समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि, फिलहाल यह प्रारंभिक पायलट प्रोजेक्ट केवल गिरोला और मसोरा गांवों में लागू किया गया है।

एनएमडीसी बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स में सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ

बचेली। एनएमडीसी लिमिटेड के बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स में सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2025 का आयोजन 02 नवम्बर 2025 तक सतर्कता : हमारी साझा ज़िम्मेदारी विषय पर किया जायेगा। कार्यक्रम का प्रारंभ सोमवार प्रशासनिक भवन में आयोजित स्त्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण समारोह से हुआ, जिसमें परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।इस अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का संदेश भी वाचन किया गया,जिसमें सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया गया। सप्ताह के दौरान कर्मचारियों, छात्रों एवं सीआईएसएफ कर्मियों के बीच निबंध, भाषण, पोस्टर, स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएँ तथा नुक्कड़ नाटक एवं ग्राम सभाओं जैसे जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और सुशासन के प्रति जागरुकता फैलाना है। 31 अक्टूबर 2025 को एकता दौड़ -ईमानदारी के लिए दौड़ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एनएमडीसी के कर्मचारी, सीआईएसएफ कर्मी, छात्र एवं स्थानीय नागरिक भाग लेंगे। यह आयोजन भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामूहिक एकजुटता का प्रतीक होगा। परियोजना प्रमुख के मार्गदर्शन में सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित यह सप्ताह, केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा प्रारंभ किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य निवारक सतर्कता, क्षमता निर्माण, परिसंपत्ति प्रबंधन एवं डिजिटल पारदर्शिता को बढ़ावा देना हैं।

व्रती महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी परिवार की खुशहाली

फरसगांव में छठ महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया

कोण्डागांव। आस्था और श्रद्धा के महापर्व छठ पूजा का रंग फरसगांव क्षेत्र में खूब देखने को मिला। सोमवार की शाम व्रती महिलाओं ने पूरी भक्ति के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर अपने परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया है। फरसगांव क्षेत्र में सुबह से ही तालाबों और नदी किनारों पर पूजा की तैयारियां जोरों पर रहीं। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखते हुए शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के लिए व्रतियों ने मौसमी फल, बांस की टोकरी, कच्ची हल्दी, अदरक और मिट्टी के दीपक खरीदे। घरों में पारंपरिक प्रसाद जैसे ठेकुआ, चावल और गुड़ से बने पकवान तैयार किए गए। पूजा के समय व्रती महिलाओं ने दीपक जलाकर बांस की टोकरी में पूजा सामग्री रखी और सूर्य देवता को अर्पित किया।

डूबते सूर्य को दिया गया पहला अर्घ्य : सोमवार की शाम जब सूर्य ढलने लगा, तब घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। घाटों पर पारंपरिक गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। महिलाएं जल में खड़ी होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दे रही थीं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रही थीं। कई परिवारों ने घाटों पर सामूहिक रूप से पूजा की व्यवस्था की थी।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर हुआ समापन : छठ पर्व का समापन मंगलवार की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर किया गया। इस मौके पर व्रती महिलाएं अपने घरों में प्रसाद का वितरण करेंगी और सभी के साथ पर्व की खुशियां साझा की।

छठ व्रत का है बड़ा महत्व : फरसगांव निवासी सीमा जायसवाल, जो वर्षों से यह व्रत करती हैं, बताती हैं कि ष्छठ पूजा सूर्य देवता और छठी मइया की आराधना का पर्व है। यह पर्व प्रकृति, जल, सूर्य और स्वच्छता के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य - इन चारों चरणों के साथ यह पर्व संपन्न होता है।ष् महिलाओं के अनुसार, छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मसंयम, पवित्रता और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह व्रत कठिन माना जाता है क्योंकि व्रती 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखते हैं और पूरी श्रद्धा से सूर्य देवता की उपासना करते हैं। वहीं फरसगांव की एक और व्रती महिला मुस्कान जायसवाल बताती हैं, ष्छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय होता है, जिसमें व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन खरना में गन्ने के रस और गुड़ से खीर बनाकर प्रसाद चढ़ाया जाता है। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य देकर व्रत का समापन होता है।

पुजा से पहले घाटों पर हुई साफ सफाई : स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बार छठ पूजा में पहले की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। महिलाओं और पुरुषों ने मिलकर घाटों की सफाई की और पूजा स्थल को रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित किया। फरसगांव के बरकई और सोनाबेडा नदियों में इस पर्व की रौनक देखते ही बन रही है। डूबते सूर्य की किरणों में खड़ी व्रती महिलाओं की आस्था और जल में झिलमिलाते दीपक का दृश्य हर किसी के मन को भा रहा था।आस्था का पर्व, एकता का प्रतीक- छठ पूजा केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में एकता और सहयोग की भावना का प्रतीक भी है। सभी समुदायों के लोग मिलकर इस पर्व की तैयारी में सहयोग देते हैं।

फरसगांव-पासंगी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य शुरू

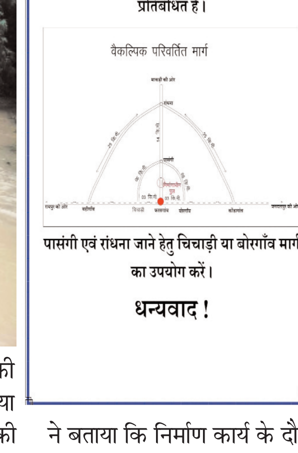

■ चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

कोण्डागांव। फरसगांव से पासंगी मार्ग पर एक नया पुल निर्माण कार्य शुरू होने के कारण यातायात व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। पासंगी और रांधना जाने वाले वाहन चालकों को चिचाड़ी या बोरगांव मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। एसडीएम फरसगांव अश्वन पुसाम ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन की सुरक्षा प्राथमिकता में है, इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और कार्य में सहयोग प्रदान करें। पुल निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन सुचारू रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्थापना दिवस पर जिले के 17 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिलेगा नए घर का तोहफा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर रायपुर के अटल नगर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली रूप से 3.5 लाख से अधिक हितग्राहियों का सांकेतिक गृह प्रवेश कराएंगे। इनमें बिलासपुर जिले के लगभग 17 हजार 839 हितग्राही शामिल हैं, जिनके मकानों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्मित घरों को दीयों, रंगोली और पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया जाएगा। लाभार्थियों को खुशियों की चॉबी, आभार पत्र और स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए जाएंगे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को हर्षोल्लास के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी रोजगार सहायकों और आवास मित्रों को सौंपी गई है।

दिव्यांजनों को उपकरण वितरित करने गांवों में 6 नवम्बर से लगेंगे शिविर

बिलासपुर। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में दिव्यांगजनों के लिए 6 नवम्बर से 26 नवम्बर तक सवेरे 10 बजे से शाम 5 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में दिव्यांगजनों का प्रमाणीकरण करने के साथ ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाये जाएंगे। शिविर में चिन्हांकित दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किया जाएगा। मस्तुरी ब्लॉक के हिण्डाडीह में 6 नवम्बर, बिल्हा के धौराभाठा में 10 नवम्बर, तखतपुर के दैजा में 12 नवम्बर, कोटा के चपोरा में 13 नवम्बर, मस्तुरी के चिल्हाटी में 17 नवम्बर, बिल्हा के टेकर में 19 नवम्बर, तखतपुर के घुटकू में 24 नवम्बर एवं कोटा के करगीकला में 26 नवम्बर को शिविर लगेंगे।

दो दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी 31 अक्टूबर से केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू होंगे शामिल

बिलासपुर। बिलासपुर डाक संभाग द्वारा 31 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2025 तक राघवेन्द्र राव सभा भवन में सवेरे 11 बजे से लगाये जा रहे दो दिवसीय जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी ''बिलासापेक्स-2025'' में विशेष आवरण विमोचन एवं विरूपण कार्यक्रम में शाम 4 बजे केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू शामिल होंगे। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भक्त माता कर्मा के डाक टिकट विशेष का आवरण एवं विमोचन करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर गुरू घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य पोस्टमास्टर जनरल छत्तीसगढ़ परिमंडल रायपुर के श्री शुभेंदु स्वाई करेंगे। प्रदर्शनी का समापन 1 नवम्बर को दोपहर 3 बजे किया जाएगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्रदर्शनी में डाक संभाग के सभी डाक टिकट संग्रहकर्ता भाग लेंगे। उक्त प्रदर्शनी के माध्यम से डाक टिकट के क्रमशः विकास एवं समग्र इतिहास की झलक, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक घटनाक्रम इत्यादि की जानकारी प्राप्त होगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश भर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 76 यात्री आवास क्षेत्र विकसित करने की योजना को मंजूरी दी

बिलासपुर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने देश भर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 76 यात्री आवास क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) विकसित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री आवास क्षेत्र की सफलता के बाद लिया गया है। देश भर में नियोजित यात्री आवास क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी और इनका स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार निर्माण किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी यात्री आवास क्षेत्र 2026 के त्यौहारी सीज़न से पहले ही पूरे हो जाने चाहिए। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन ने दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को अपने नए विकसित यात्री आवास क्षेत्र की मदद से प्रबंधित किया। इसे चार महीने की के भीतर तैयार किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) को किसी भी समय लगभग 7,000 यात्रियों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इसमें प्री-बोर्डिंग सुविधा और यात्री आने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए इस सुविधा को रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों - टिकटिंग, पोस्ट-टिकटिंग और प्री-टिकटिंग-में बांटा गया है।

निराश्रित पशुओं के बेहतर प्रबंधन पर विचार-विमर्श

7 ग्रामों में गौधाम स्थापित करने भेजा गया प्रस्ताव

हर ब्लॉक में 10-10 गौधाम बनाने लिए जा रहे आवेदन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के निराश्रित, घुमन्तू तथा कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम अंतर्गत जब्त किए गए गौवंश पशुओं के संरक्षण, संवर्धन एवं विस्थापन हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गौधाम योजना स्वीकृत की गयी है। जिसके पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय गौधाम समिति में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियुक्त किये गये अध्यक्ष एवं सदस्यों के परिचयात्मक एवं जिले में गौधाम योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में गौधाम समिति की बैठक मंथन सभाकक्ष कलेक्टोरेट में आयोजित की गयी। जिला स्तरीय गौधाम समिति बिलासपुर में धीरेन्द्र दुबे को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में ईतवारी धीवर, रामकृष्ण साहू, हरिशंकर यादव, नितिन पैकरा एवं रमाकांत पाण्डेय नियुक्त किये गये है। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तरीय समिति के अंतर्गत मस्तूरी के अध्यक्ष पूणेन्द्र शर्मा बाबा, तखतपुर में सोमनाथ पटेल, कोटा में मनोज कुमार यादव एवं बिल्हा में रितिक प्रजापति तथा प्रत्येक विकासखंड समिति में पांच सदस्य नियुक्त किये गये है। इनके साथ ही जिला स्तरीय समिति में जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत व आयुक्त नगर निगम पदेन सदस्य तथा उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं सदस्य सचिव बनाये गये हैं। बैठक में सर्वप्रथम संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवायें बिलासपुर द्वारा नव नियुक्त जिला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र दुबे एवं राजेश सूर्यवंशी अध्यक्ष जिला पंचायत बिलासपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इसके पश्चात बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले में प्रति विकासखंड राष्ट्रीय राज्यमार्ग के समीपस्थ 10 गोठानों का चयन गौधाम हेतु प्रस्तावित किया गया है, जिनमें से गोठानों के नाम परिवर्तन तथा आवश्यकतानुसार नये गोठानों का नाम संशोधन समिति की अनुशंसा के आधार पर किया जा सकता है। बिलासपुर जिले से अब तक कुल 07 ग्रामों में गौधाम स्थापना हेतु आवेदन छ.ग. राज्य गौसेवा आयोग रायपुर को स्वीकृति हेतु प्रेषित किये जा चुके है। इनमें शामिल ग्राम नेवरा, निरतू, सेवार, रहंगी, केसला, हरदीकला एवं सुकुलकारी से प्राप्त नवीन आवेदनों की स्वीकृति की कार्यवाही किये जाने हेतु बैठक में समिति द्वारा अनुमोदन किया गया कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिला एवं विकासखंड स्तरीय समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनायें दी। उन्होंने टीम भावना से कार्य करते हुये जिले में गौधाम योजना के बेहतर क्रियान्वयन एवं निराश्रित पशुओं के समुचित व्यवस्थापन में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में गौधाम हेतु प्रस्ताव पारित हो चुके है, उन ग्रामों में आवेदक संस्थाओं एवं समूहों से आवेदन शीघ्र ही तैयार कराते हुये विकासखंड स्तरीय समिति के अनुशंसा सहित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जिला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र दुबे द्वारा जिले में निराश्रित पशुओं के समुचित व्यवस्थापन के संबंध में समीक्षा करते हुये नगर निगम बिलासपुर अंतर्गत संचालित पशु आश्रय केन्द्रों की जानकारी चाही गयी।

नाबालिग को चोरी के शक में खंभे से बांधकर पीटा, 2 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां चाय-नाश्ते की दुकान में चोरी के शक में एक नाबालिग लड़के को बंधक बनाकर खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 27 अक्टूबर की सुबह करीब 4 बजे की है। राजीव नगर निवासी प्रकाश नेताम अपनी दुकान में चाय-नाश्ता और किराना सामग्री बेचता है। उसी दौरान दुकान से गोली, बिस्किट और सिगरेट गायब हो गए। इस पर प्रकाश नेताम और उसके भाई दीपक नेताम ने चोरी का शक अपने ही इलाके के एक नाबालिग पर जताया। दोनों ने नाबालिग को पकड़कर दुकान के पास स्थित एक खंभे से रस्सी से बांध दिया और उसकी बेल्ट, हाथ और थप्पड़ों से पिटाई की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया और बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि नाबालिग डरा-सहमा खंभे से बंधा हुआ है और आरोपी उसे लगातार पीट रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित परिवार अपमान और मानसिक तनाव में आ गया। पीड़ित नाबालिग के पिता ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को चोरी का झूठा आरोप लगाकर बंधक बनाकर मारा गया और वीडियो बनाकर उसकी बेइज्जती की गई। उन्होंने पुलिस से आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपी- प्रकाश नेताम और दीपक नेताम को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफभारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2), 127(2), 3(5) के साथ-साथ बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 74 व 75 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को देखने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। पीड़ित बच्चे की पहचान कराई गई और उसके पिता से संपर्क साधा गया। शिकायत मिलने के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। डीएसपी बनर्जी ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून अपने हाथ में लेना अपराध है।

श्री रामलला दर्शन योजना के तहत जिले से 112 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुए

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की महत्वाकांक्षी 'श्री रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत आज रायगढ़ जिले से श्रद्धालुओं का 11वां जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। कुल 112 श्रद्धालुओं को लेकर यह जत्था रायगढ़ से बिलासपुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुआ, जहां से वे विशेष ट्रेन द्वारा भगवान श्रीराम के जन्मस्थान अयोध्या धाम की ओर प्रस्थान करेंगे। इस योजना के तहत श्रद्धालुओं को श्रीरामलला के दर्शन का दिव्य अवसर प्राप्त होगा, जिसकी वर्षों से उन्होंने कामना की थी। जिला प्रशासन द्वारा जत्थे के प्रस्थान की सभी तैयारियां पूरी की गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य परीक्षण, भोजन, आवास, परिवहन और सुरक्षा की विस्तृत व्यवस्था की गई है। जत्थे में जिले के शहरी क्षेत्रों से 30 और ग्रामीण अंचलों से 82 श्रद्धालु शामिल हैं। प्रशासन की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम भी जत्थे के साथ रवाना हुई, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। रवाना होने से पूर्व श्रद्धालुओं को जिला प्रशासन की ओर से विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के सुरक्षित और सफल दर्शन की कामना की। यात्रा स्थल पर धार्मिक माहौल और भक्ति का उत्साह देखते ही बनता था। सभी श्रद्धालु 'जय श्रीराम' के जयघोष के साथ बसों में सवार हुए। श्रद्धालुओं में अयोध्या धाम की यात्रा को लेकर अपार उत्साह देखने को मिला। कई यात्रियों की आंखें खुशी और भावनाओं से छलक उठीं। एक वृद्ध श्रद्धालु ने कहा, 'बचपन से रामायण में रामजन्मभूमि की कहानी सुनते आए हैं, लेकिन अब पहली बार उस पवित्र धरती पर कदम रखने जा रहे हैं। यह जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है।' वहीं एक महिला श्रद्धालु ने कहा कि 'मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की इस योजना ने हमें वह अवसर दिया है, जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी।' श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस योजना ने आमजन के भीतर गहरी आस्था और धार्मिक एकता की भावना को पुनर्जीवित किया है। मुख्यमंत्री की इस पहल से न केवल आस्था को बल मिला है बल्कि समाज में धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। गौरतलब है कि 'श्री रामलला दर्शन योजना' मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के श्रद्धालुओं को अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन कराने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, भक्ति और आस्था को सशक्त बनाना है।

एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक: पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर....

- एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक : पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी आगामी 15 नवम्बर से प्रारंभ किया जा रहा है। धान बेचने सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसानों का पंजीयन अनिवार्य है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने आज जनपद पंचायत गौरेला के सभा कक्ष और एसडीएम कार्यालय मरवाही में राजस्व, कृषि, सहकारिता एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन की जानकारी ली। बैठकों में बताया गया कि जिले में कुल पंजीकृत किसानों की संख्या 19294 है। इनमें से 18194 किसानों का पंजीयन एग्रीस्टैक पोर्टल में हो चुका है। अभी भी जिले के 1100 किसान एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीकृत नहीं हुए हैं। कलेक्टर ने सभी पटवारियों को अपने मुख्यालय में उपस्थित रहने और बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर नहीं जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक पंजीयन से छूटे हुए सभी किसानों का अनिवार्य रूप से पंजीयन कराएं। उन्होंने पंजीयन में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पंजीयन के लिए किसानों को सही जानकारी देने कहा, जिससे अनावश्यक भटकाव की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। इसके साथ ही फौती नामांतरण से संबंधित प्रकरणों को भी तत्काल निराकृत करने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत मुकेश रावटे, संयुक्त कलेक्टर दिलेराम डाहिरे, एसडीएम पेण्ड्रारोड विक्रांत कुमार अंचल, एसडीएम मरवाही देवेन्द्र कुमार सिरमौर, तहसीलदार शेषनारायण जायसवाल, अविनाश कुजूर, प्रीति शर्मा सहित सभी राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह संपन्न हुआ

- 2025 के अवसर पर आज संगोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2025 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 30 नवंबर 2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय बिलासपुर में संगोष्ठी एवं सतर्कता जागरूकता हेतु एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । मुख्यालय प्रांगण में प्रातः 10.30 बजे आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेलकर्मियों ने सतर्कता-एक साझा जिम्मेदारी के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया । कलाकारों ने अपने प्रदर्शन के जरिए यह बताया कि ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा से ही संगठन की वास्तविक प्रगति संभव है । इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मनोज गुरुमुखी सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित थे । प्रातः 11.30 बजे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, जोनल मुख्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हाल में सतर्कता एक साझा जिम्मेदारी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. श्रीमती प्रवीण कुमारी सिंह, पूर्व अपर सचिव केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सतर्कता के विभिन्न आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सत्यनिष्ठा एवं नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डाला । महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि सतर्कता की भावना को केवल इस सप्ताह तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना आवश्यक है । हर निर्णय और हर प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और निष्ठा का समावेश ही संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है । उन्होंने आगे कहा कि आइए, हम सभी मिलकर ऐसी कार्यसंस्कृति का निर्माण करें जहाँ सतर्कता, दक्षता और नैतिक आचरण हमारे प्रत्येक कार्य की पहचान बनें । इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. श्रीमती प्रवीण कुमारी सिंह, पूर्व अपर सचिव केंद्रीय सतर्कता आयोग, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मनोज गुरुमुखी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सतर्कता बुलेटिन ङ्क 2025 का विमोचन भी किया गया । कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों को दी जानकारी

- विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों को दी जानकारी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। आयोग द्वारा जारी पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार जिले में एसआईआर का कार्य 28 अक्टूबर, 2025 से प्रारंभ कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक लेकर एसआईआर के संबंध में विस्तृत जानकारी दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) का दायित्व से अवगत कराते हुए कहा कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना फार्म वितरित करेंगे और प्राप्त गणना फार्म पर अपने अभिमत के साथ आयोग के पोर्टल पर अपलोड करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य एक बड़ी प्रक्रिया है और पूरी तरह से पारदर्शी है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे एसआईआर के दौरान अपने बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें और इस कार्य में बीएलओ को पूरा सहयोग दें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमित बेक ने बताया कि एसआईआर में जिले के सभी मतदान केन्द्रों के लिये नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका

होगी। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक उपलब्ध कराएंगे और गणना पत्रक भरवा कर वापस प्राप्त करेंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को एसआईआर के तहत निर्धारित किए गए मतदाताओं का वर्गीकरण सहित आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी और निर्देशों की प्रतियां भी उपलब्ध कराया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से श्री कुबेर सर्राटी, कांग्रेस पार्टी से श्री अशोक शर्मा, बहुजन समाज पार्टी से श्री तपेश्वर सिंह, जनता कांग्रेस (जे.) से रिजवान अंसारी और आम आदमी पार्टी से वसीम खान एवं श्री भावेश वरकड़े उपस्थित थे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए जारी किए गए शेड्यूल से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एसआईआर की तैयारी, प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2025, गणना अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर .2025, मतदान केंद्रों का युक्तिकरण-पुनर्व्यवस्थापन 04 दिसम्बर 2025, नियंत्रण तालिका का अद्यतीकरण और ड्रॉफ्ट रोल की तैयारी 05 दिसम्बर से 08 दिसम्बर 2025, मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 09 दिसम्बर 2025, दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 09 दिसम्बर से 08 जनवरी 2026, नोटिस जारी करना, सुनवाई और सत्यापन, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावों और आपत्तियों का निपटारा ईआरओएस द्वार एक साथ किया जाएगा, इसके लिए 09 दिसम्बर से 31 जनवरी 2026 निर्धारित है।

भगवान शिव की मूर्ति को घर में रखना शुभ

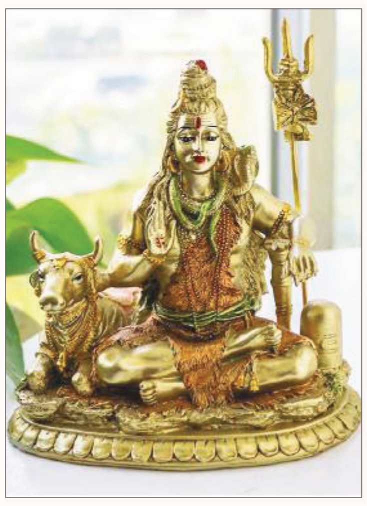

शिव जी की मूर्ति मन को सुकून देने वाली होती है। शिवलिंग हो या फिर मूर्ति, महादेव के किसी भी रूप को देखकर आंखों के तृप्ति ही मिलती है। हर हिंदू परिवार में शिव की आराधना होती है। जिसके लिए शिवलिंग और शिव जी की मूर्ति की स्थापना की जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि जहां शिव का वास होता है, वहां नकारात्मक ऊर्जा नहीं टिकती और जीवन में सुख-शांति का वास होता है,लेकिन अगर शिव जी की मूर्ति गलत दिशा में रख दी जाए, तो इसका असर उलटा भी पड़ सकता है। इसलिए मूर्ति स्थापित करने से पहले सही दिशा और नियमों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

भगवान शिव की मूर्ति की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के मुताबिक भगवान शिव की मूर्ति उत्तर या उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण में रखनी चाहिए। यह दिशा शिव जी की मानी जाती है और इससे घर में सौहार्द और सुख-शांति बनी रहती है। मूर्ति इस प्रकार स्थापित करें कि भगवान शिव का मुख दक्षिण दिशा की ओर रहे। ऐसा करने से घर के हर कोने में पॉजिटिविटी बनी रहती है।

कैसा हो शिव जी की मूर्ति का आकार?

घर के मंदिर में बहुत बड़ी मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार 5 से 8 इंच की मूर्ति सबसे उचित मानी जाती है। मूर्ति पत्थर, पीतल, क्रिस्टल या पंचधातु की बनी हो तो और बेहतर होता है। ध्यान दें कि शिव जी की मूर्ति शांत और ध्यानमग्न मुद्रा में होनी चाहिए, न कि तांडव मुद्रा में, क्योंकि घर में रखी शिव की तांडव मुद्रा वाली मूर्ति, घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को अस्थिर बना सकती है।

जान लें शिवलिंग को स्थापित करने के नियम

वास्तु के अनुसार, अगर आप घर में शिवलिंग स्थापित कर रहे हैं, तो उसे भी उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। शिवलिंग के नीचे योनिपीठ (आधार भाग) अवश्य होना चाहिए और जलाधारी का मुख उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। हर सुबह गंगाजल, दूध और बेलपत्र चढ़ाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। शिव जी की मूर्ति को सीधे फर्श पर न रखें, बल्कि लकड़ी या संगमरमर के मंच पर स्थापित करें। कहा जाता है कि एक से ज्यादा शिवलिंग घर में नहीं रखना चाहिए। साथ ही शिव की तांडव मुद्रा या भैरव रूप की मूर्ति भी घर में नहीं रखनी चाहिए।

नेचुरल मेकअप लुक

शादी समारोहों में सबसे अच्छा दिखने के लिए, त्वचा की सही देखभाल करना और सही मेकअप चुनना जरूरी है।सबसे पहले, त्वचा को अच्छी तरह से हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करें ताकि यह स्वस्थ और चमकदार दिखे। ऐसे मेकअप के रंग चुनें जो हल्के और दिन की रोशनी में नेचुरल लगें। दिन में चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए थोड़ी सी कॉन्टूरिंग करें, पर ज्यादा नहीं। इस साधारण लेकिन खूबसूरत मेकअप तकनीक से आप दिन की शादी में बिना किसी परेशानी के परफेक्ट लुक पा सकते हैं।

लाइट फाउंडेशन

जब दिन की शादी हो और आप चाहते हो कि आपका चेहरा बहुत खूबसूरत दिखें तो एक हल्का फाउंडेशन चुने जो आपकी त्वचा पर अलग न दिखें। इसका मतलब ये है कि आपको ऐसा फाउंडेशन चुनना है,जो लाइट वेट हो और आपकी स्किन टोन के साथ अच्छे से ब्लेंड हो जाए और शादी में मेकअप सुंदर और अच्छा दिखें।

सटल शेड्स

जब बात दिन की शादी के मेकअप की आती है, तो याद रखो कि सिंपलिटी में ही असली खूबसूरती है। इसलिए, मेकअप में हल्के रंगों का चुनाव करना बेहतर होता है, जो दिन की नैचुरल रोशनी में आपके चेहरे पर एक नेचुरल और ताजा लुक लाएं। इन रंगों का मतलब है कि आपका लुक ज्यादा भड़कीला या ओवर नहीं लगेगा, बल्कि एक सुंदर लगेगा। दिन की रोशनी में मेकअप करते समय, ऐसे शेड्स चुनें जो आपकी स्किन टोन के साथ अच्छे से मेल खाएं और आपकी खूबसूरती को और उभारें।

मिनिमन कॉन्टूरिंग

दिन की शादी में अगर आप चाहते हैं कि नैचुरल लाइट में भी आपका चेहरा खिला-खिला दिखे, तो ज्यादा मेकअप के चक्कर में न पड़ें। बस थोड़ी सी कॉन्टूरिंग करें। इसका मतलब है कि हल्के हाथ से अपने चेहरे के खास हिस्सों को उभारें, जैसे गालों की हड्डी या नाक को थोड़ा शेप दें। इससे आपका लुक बिलकुल नेचुरल और सॉफ्ट रहेगा और हाँ, इससे आपका मेकअप भी ज्यादा देर तक ताजा रहेगा। तो बस, ज्यादा कुछ नहीं, थोड़ी सी स्मार्ट ट्रिक से आप दिन भर के लिए परफेक्ट दिख सकते हैं।

घर पर ही ड्राई क्लीन करें अपना सोफा

गेस्ट रूम में या बेडरूम में रखा सोफा सिर्फ होली-दिवाली पर ही साफ होता है। ज्यादातर आपके घर के सोफे पर कपड़ा या रेक्सीन या लेदर चढ़ा होता हैं। इनकी सफाई पानी से नहीं की जा सकती हैं। ऐसे में अगर आप अपने सोफे को घर पर ही ड्राई क्लीन करना चाहते हैं तो इन आसान स्टेप्स को फॉलो कर सकते हैं..

- सबसे पहले अपने सोफे का कवर और कुशन हटाकर उसे किसी कॉटन की मदद से अच्छी तरह रगड़कर साफ कर लें। इससे सोफे पर जमा धूल हट जाएगा।
- अब किसी बड़े बर्तन में एक लीटर ठंडा या नॉर्मल पानी लें। इसमें 2 चम्मच बेबी शैंपू या माइल्ड शैंपू डालें। फिर 1 चम्मच नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- इस मिक्स से किसी स्पॉन्ज या स्कॉच ब्रश की मदद से सोफे को हल्के हाथों से साफ करें।
- अगर आपके सोफे पर सिंथेटिक कपड़ा लगा है तो इसपर हल्के स्पॉन्ज की मदद लें। इससे आप सोफे के हैंडरेस्ट, हेड एरिया,जैसी जगहों को साफ कर सकते हैं।
- अब साफ पानी में कॉटन का तौलिया या नैपकिन भीगोकर अच्छी तरह निचोड़ लें और सोफे को हल्के हाथों से वाइप करें। ⊠ अच्छी तरह सुखने के लिए सोफे को आप फैन के नीचे रखें। सुख जाने के बाद आपका सोफा बिल्कुल नए जैसा चमकेगा।

प्रेग्नेंसी में शरीर से Iron की कमी दूर करेंगे ये फूड्स

प्रेग्नेंसी में महिलाओं को पोषण की जरुरत होती है,क्योंकि इस दौरान शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। ऐसे में कई बार प्रेग्नेंसी में महिलाओं को आयरन की कमी से भी जूझना पड़ता है। प्रेग्नेंसी में होने वाले आयरन की कमी दूर करने के लिए डॉक्टर अच्छी डाइट की सलाह देते हैं। वहीं यदि किसी महिला के शरीर में इस दौरान भारी आयरन की कमी होने लगे,तो डॉक्टर इसे पूरा करने के लिए कुछ सप्लीटमेंट्स भी दे सकते हैं। आयरन की कमी होने पर थकान, कमजोरी जैसी समस्याएं प्रेग्नेंट महिलाओं को हो सकती है। ऐसे में आज आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं,जो गर्भावस्था में आयरन की कमी दूर करेंगे। आइए जानते हैं..

फलियां :- प्रेग्नेंसी में आयरन की कमी पूरी करने के लिए आप फलियां जैसे कुछ दालें, छोले, राजमा शामिल कर सकते हैं। यह आयरन से भरपूर माने जाते हैं। खासतौर पर जो महिलाएं शाकाहारी हैं वह इन चीजों का सेवन कर सकती हैं। फलियों में आयरन के अलावा प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भी काफी मात्रा में मौजूद होते हैं। सूप या सलाद में फलियां शामिल करने से प्रेग्नेंसी में आपके शरीर में से आयरन की कमी भी पूरी हो जाएगी।

सूखे मेवे :- खुबानी, किशमिश और आलूबुखारा जैसे सूखे फल भी आयरन का अच्छा स्त्रोत माने जाते हैं, लेकिन इनमें चीनी की मात्रा थोड़ी ज्यादा होती है ऐसे में इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। हालांकि इन चीजों का सेवन आप विटामिन-सी से भरपूर डाइट के साथ खाने शरीर में आयरन की मात्रा ज्यादा हो सकती है।

पालक :- पालक के हरे पत्तेदार पत्ते आयरन से भरपूर माने जाते हैं। पालक में आयरन की मात्रा को और भी ज्यादा बढ़ाने के लिए इसे लौहे के बर्तन में बनाएं। यदि आप इसे विटामिन सी के साथ लेते हैं तो भी आपको फायदा होगा। इसमें सिर्फ आयरन ही नहीं बल्कि फोलिक एसिड, विटामिन-ए और फाइबर जैसे अन्य पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। पालक को सलाद, स्मूदी या फिर साइड डिश के तौर पर आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

लीन मीट :- शरीर में से आयरन की कमी पूरी करने के लिए आप लीन मीट का सेवन भी कर सकते हैं। प्रेग्नेंसी में इसका सेवन करने से आपके शरीर में से आयरन और अन्य पोषक तत्वों की कमी दूर होगी।

कद्दू के बीज :- यह बीज भी पोषक तत्वों से भरपूर माने जाते हैं। यह आपके शरीर में से आयरन की दैनिक आवश्यकता को पूरा करने में मदद करते हैं। इन बीजों में सिर्फ आयरन ही नहीं बल्कि मैग्नीशियम, जिंक और कॉपर जैसे आवश्यक मिनरल्स भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। गर्भावस्था के दौरान आप कद्दू के बीजों को सलाद में या फिर दही के साथ इनका सेवन कर सकते हैं।

शिशु बार-बार मुंह में क्यों डालते हैं उंगली

छोटे बच्चे अपने मुंह में अक्सर उंगली डालते हैं। मुंह में उंगली डालना, अंगूठा चूसना यह सब बच्चों में आम बाते हैं। कई बार तो जब बच्चे मुंह में उंगली डालते हैं या अंगूठा चूसते हैं तो पेरेंट्स अंगूठा बाहर भी निकालते हैं,लेकिन फिर बच्चे पेरेंट्स को गुस्से से देखने लगते हैं या फिर जोर-जोर से रोने लगते हैं। कई बार नए बने पेरेंट्स को लगता है कि यह आदत आम है और बच्चे इसे छोड़ देंगे,लेकिन क्या आप जानते हैं बच्चे बार-बार मुंह में उंगली डालते क्यों हैं? तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि इसके क्या कारण हैं।

नींद आने के कारण

छोटे बच्चे अक्सर तब मुंह में उंगली डालते हैं,जब उन्हें नींद आती है। यदि आपका बच्चा भी दूध पीने के बाद मुंह में उंगली डालकर चूस रहा है,तो इसका मतलब है कि उसे नींद आ रही है।

घबरा जाने पर

कई बार आस-पास का माहौल बदलने, अजनबियों से मिलने और रास्ते में घूमते समय भी बच्चे मुंह में उंगली डालने लगते हैं। ऐसा वह इसलिए करते हैं क्योंकि वह अंदर से घबराए होते हैं। ऐसी स्थिति में आप बच्चों को शांत करने की कोशिश करें। उनके आस-पास की चीजों को बदलने का प्रयास करें। उनके आस-पास लाइट म्यूजिक लगाएं ताकि वह अच्छा महसूस कर सकें।

दांत निकालने के कारण

छोटे बच्चे ज्यादातर उस समय भी मुंह में उंगली डालते हैं जब उनके दांत निकल रहे हों,क्योंकि इस दौरान बच्चों को मसूड़ों में खुजली होती है। जब बच्चे मुंह में उंगली डालते हैं ,तो इससे उन्हें राहत महसूस होती है। यही कारण है कि 5-6 महीने के बच्चे ज्यादा मुंह में उंगली डालते हैं।

खुशी जताते हुए

छोटे बच्चे बोल नहीं पाते इसलिए वह अपनी खुशी जाहिर करने के लिए मुंह में उंगली डालते हैं। यदि आपका बच्चा किसी को देखकर हंसता है या फिर मुंह में उंगली डाल रहा है तो इसका अर्थ है कि यह उसके खुशी जताने का एक तरीका है।

भूख लगने पर

2 महीने से 1 साल तक के बच्चे मुंह में तब भी उंगली तब डालते हैं,जब उन्हें भूख लगती है। 1-2 घंटे खेलने के बाद यदि आपका बच्चा बार-बार मुंह में उंगली डाल रहा है,तो समझ लें कि वह भूखा है। ऐसी परिस्थिति में आप उसे तुरंत दूध पिलाने की कोशिश करें।

दांतों का पीलापन हटाने के नुस्खे

आपकी एक स्माइल आपकी खूबसूरती पर चार चांद लगाने का काम करती है, लेकिन तब क्या हो जब आप मुस्कुराएं और पीले दांत नजर आएं तो ये दिखने में बेहद अजीब और शर्मिंदगी का कारण बन सकते हैं। अक्सर कई लोगों को पीले दांतों की समस्या होती है। लाख सफाई के बाद भी उनके दातों पर जमा पीली परत हटने का नाम नहीं लेती है। कई तरह के टूथपेस्ट और दोनों टाइम ब्रश करने के बाद भी ये पीली गंदगी हटने का नाम नहीं लेती है। कई बार इन पीले दातों की वजह से कॉन्फिडेंस भी लो हो सकता है। बता दें कि आप अपने दांतों के पीलेपन को कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से दूर कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कुछ आसान तरीके-

नींबू और बेकिंग सोडा

दांतों पर जमा प्लाक को हटाने के लिए नींबू और बेकिंग सोडा आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा लें और उसमें एक चम्मच नींबू का रस मिला लें। अब टूथब्रश की मदद से इसे अपने दांतों पर लगाकर 2-3 मिनट के लिए छोड़ दें, इसके बाद ब्रश करें और ठंडे पानी से कुल्ला कर लें।

नारियल तेल

नारियल तेल भी दांतों पर जमा पीली परत को निकालने में मदद कर सकता है। इसके लिए आप अपनी उंगलियों से नारियल के तेल से दांतो पर मसाज करें और फिर पानी से कुल्ला कर लें या आप ब्रश भी कर सकते हैं। नारियल तेल में पाया जाने वाला लॉरिक एसिड दांतों पर जमा प्लाक और बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद कर सकता है।

संतरे का छिलका

संतरे का छिलका भी दांतो पर जमा पीली परत को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए आप संतरे के छिलकों को धूप में सुखाकर पीस लें और पाउडर बना लें। अब इस पाउडर को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना कर दांतो पर लगाकर अच्छे से मसाज करें। अगर आप नियमित तौर पर इस तरीके को अपनातें हैं, तो यह कुछ ही दिनों में प्लाक को खत्म करने में आपकी मदद सकता है।

सरसों का तेल सेवन करने के फायदे

सरसों के तेल के फायदे अनगिनत हैं। यह तेल स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में जाना जाता है। इसमें मोनोअनसैचराइड और पॉलीयुनसैचराइड फैट होते हैं, जिनके कई फायदे होते हैं। सरसों के तेल का नियमित सेवन दिल के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें मौजूद गैलिक और एलिसिन नामक तत्व सर्दी और फ्लू के खिलाफ रक्षा करने में मदद कर सकते हैं। इसके अंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर को फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं, जो कैंसर और अन्य बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। सरसों के तेल में विटामिन E, कैल्शियम, पोटैशियम, और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। आइए जानते है सरसों के तेल के और फायदे...

हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

सरसों के तेल में पॉलीयुनसैचराइड फैट होता है, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकता है और हृदय रोग के खतरे को कम कर सकता है। यह तेल उन पॉलीयूनसैचरेटेड फैट्स का अच्छा स्रोत होता है,जो हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं। ये फैट्स लिपिड प्रोफाइल को सुधार सकते हैं, जिसमें अच्छा कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ावा कर खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

मांसपेशियों के लिए महत्वपूर्ण

सरसों के तेल का उपयोग मांसपेशियों को सेहतमंद और मजबूत बनाने के लिए किया जाता है। सरसों के तेल में प्रोटीन, विटामिन, और मिनरल्स का अच्छा स्रोत होता है, जो मांसपेशियों के विकास और रखरखाव के लिए आवश्यक हैं। यह मांस के पोषण में महत्वपूर्ण योगदान करता है और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

त्वचा और बालों के लिए

बालों में सरसों के तेल लगाकर त्वचा को मोइस्चराइज कर सकते हैं और यह बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है। सरसों के तेल को त्वचा पर लगाने से यह त्वचा को मोइस्चराइज़ करता है और रूखी-सूखी त्वचा को नरम करता है। इसमें पाए जाने वाले विटामिन ई के अंटिऑक्सीडेंट्स त्वचा के धूल-मिट्टी और रवैये के कणों से लड़कर त्वचा को स्वच्छ और सुंदर बनाने में मदद करते हैं। इस तेल में मौजूद प्रोटीन, विटामिन, और मिनरल्स बालों की मजबूती और चमक बनाए रखने में मदद करता है। यह बालों को कॉन्डिशन करता है और उन्हें मुलायम और चमकदार बनाता है।

खांसी और जुकाम के इलाज

इसका गरम तेल खांसी और जुकाम के इलाज में मदद करता है। सरसों के तेल में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स के खिलाफ लड़ते हैं और श्वासन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। इससे खांसी और जुकाम के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

शहर में महिलाओं ने मनाया आंवला नवमी का पर्व, घर-परिवार की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

भिलाई दुर्गः गुरुवार को पूरे शहर में महिलाओं ने आंवला नवमी का पावन पर्व बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। सुबह से ही व्रतधारी महिलाएं समूह में आंवला वृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं। उन्होंने पवित्र आंवला वृक्ष की पूजा-अर्चना के लिए विशेष तैयारी की थी और विधि-विधान से पूजा संपन्न की।

महाप्रसादी का आयोजन– महिलाओं ने घर से महाप्रसादी बनाकर लाईं, जिसमें खीर, पूड़ी, हलवा और अन्य नैवेद्य पकवान शामिल थे। यह पकवान आंवला वृक्ष के नीचे ही बनाया गया था। इसके बाद सभी ने आंवला वृक्ष को मौली धागा बांधा और पूजा-अर्चना की।

घर-परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना– पूजा के दौरान महिलाओं ने अपने हाथों में फूल, दूब और अक्षत लेकर घर-परिवार की सुख, समृद्धि और आरोग्य की कामना की। उन्होंने अपने सुहाग के अमर होने के लिए आंवला वृक्ष, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से प्रार्थना की।

लोकतंत्र प्रहरी न्यूज़ से चर्चा– पूजा करने पहुंची महिलाओं ने लोकतंत्र प्रहरी न्यूज़ से चर्चा करते हुए इस पर्व के महत्व को बताया। उनका कहना था कि यह पर्व उनकी गहरी आस्था का प्रतीक है और वे हर साल इस दिन का बेसब्री से इंतजार करती हैं।

पर्व का धार्मिक महत्व– धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आंवला नवमी पर आंवला वृक्ष भगवान विष्णु का अंशीय अवतार माना जाता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान विष्णु माता लक्ष्मी के साथ इस वृक्ष में निवास करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी नर-नारी आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर पूजा और महाप्रसादी का भोग लगाते हैं, उन पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। इसी मान्यता के चलते भिलाई दुर्ग की सुहागिनों ने आज आंवला नवमी पर पूजा-अर्चना की और कथा भी सुनी।

नवागांव बाजार में पकड़ाई अवैध देशी शराब डोंगरगांव पुलिस की अवैध शराब पर कार्रवाई

डोंगरगांव नगर। पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध जारी अभियान अंतर्गत एक व्यक्ति को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है। मुखबिर सूचना पर पुलिस को आरोपी के पास से 32 नग शोले नामक देशी शराब बरामद की गई। वैध दस्तावेज नही दिखाने पर डोंगरगांव पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट 34 (2) के तहत कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा आधिकारिक जानकारी मुताबिक जिले में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में एएसपी व एसडीओपी के मार्गदर्शन में अवैध कृत्यों जुआ, सट्टा व अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 28 अक्टूबर को बाजार नवगांव में एक व्यक्ति द्वारा अवैध देशी शराब रखकर विक्रय करने की मुखबिर सूचना प्राप्त हुई थी। टीआई कृष्णा पाटले के अगुवाई में टीम गठित कर पुलिस ने बाजार नवगांव में बाजार क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस की पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम हीरा लाल धनगुर बताया। अवैध शराब रखने एवं बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर आरोपी द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही करते हुए पुलिस टीम को गुमराह करने की कोशिश की। अंततः पुलिस टीम ने आरोपी हीरा लाल धनगुर पिता स्व0 फक्कीर धनगुर, 50 वर्ष, निवासी बाजार नवागांव, थाना डोंगरगांव को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध 32 नग अवैध देशी शराब, जुमला कीमती 2,880 हजार रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना डोंगरगांव में अप क्रमांक 343/2025 धारा 34(2) के तहत आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। कार्रवाई में निरीक्षक कृष्णा पाटले, एसआई अनील यादव, आरक्षक जीतेश साहू एवं चन्द्रकांत सोनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षकों व परिवारजनों ने किया अमरकंटक के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों का अवलोकन

बेमेतरा। बेमेतरा स्थित समाधान महाविद्यालय के लगभग 50 सहायक प्राध्यापकों एवं उनके परिवारजनों ने दो दिवसीय अमरकंटक की शैक्षणिक, पारिवारिक एवं आध्यात्मिक यात्रा में भाग लिया। यह यात्रा केवल भ्रमण नहीं रही, बल्कि ज्ञान, श्रद्धा और आत्मबोध से परिपूर्ण एक प्रेरणादायी अनुभव बन गई। सभी प्रतिभागियों ने इसे जीवन और शिक्षा को अर्थ देने वाली एक प्रेरक यात्रा के रूप में अनुभव किया। अमरकंटक अब केवल नर्मदा मैया और सोन नदी का उद्गम स्थल नहीं रहा, बल्कि वह स्थल बन गया जहाँ से ज्ञान, साधना और आत्मबोध की नवधारा प्रवाहित होती है। यही वह पावन भूमि है जहाँ श्रद्धेय ए. नागराज जी ने 1950 से 1970 तक 20 वर्षों की गहन तप-साधना कर भारतीय दर्शन परंपरा में विकसित किया मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद), जो आज शिक्षा, समाज और व्यवस्था में समग्र मानवीय दृष्टि प्रदान करता है। यात्रा का सबसे प्रेरणादायी क्षण रहा नागराज जी की साधना स्थली एवं निवास का दर्शन तथा पूजनीय अंबा दीदी (डॉ. शारदा शर्मा) से आत्मीय भेंट। दीदी ने बाबा जी के जीवन प्रसंगों और अपनी अनुभव यात्रा को अत्यंत सहजता, स्नेह और प्रश्नोत्तर के रूप में साझा किया। उनके सरल, सौम्य और समर्पित व्यक्तित्व ने सभी के हृदय को गहराई से छू लिया। यात्रा के दौरान सभी सदस्यों ने अमरकंटक के प्रमुख स्थलों सोनमुड़ा, माई की बगिया, कपिलधारा, जैन मंदिर, नर्मदा उद्गम स्थल, मार्कण्डेय आश्रम आदि का दर्शन किया। सभी प्रतिभागियों ने अमरकंटक के ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व को समीप से जाना और आत्मिक शांति, ज्ञान एवं आनंद का अनुभव किया। परिवारजनों और बच्चों के साथ आपसी स्नेह, सहयोग और आत्मीयता का भाव और भी प्रगाढ़ हुआ। यह यात्रा केवल मनोरंजन का साधन नहीं रही, बल्कि मानवीय मूल्यों, पारिवारिक सौहार्द और सह-अस्तित्व की भावना को सशक्त करने वाली जीवन प्रेरणा बन गई। अंततः, यह दो दिवसीय अमरकंटक यात्रा समाधान महाविद्यालय परिवार के लिए एक स्मरणीय, सुखद और सार्थक अनुभव बनकर हृदय में सदा के लिए अंकित हो गई – जहाँ सभी ने प्रकृति, परिवार और ज्ञान के साथ सह-अस्तित्व का वास्तविक अर्थ अनुभव किया।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने एडिशनल एसपी को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला अध्यक्षों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बेमेतरा से शिकायत की है और ज्ञापन सौंपा है। शिकायत में कहा गया है कि कुछ अपद्रवी तत्वों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से उनके पदाधिकारियों को आपत्तिजनक और अपमानजनक गाली गलौज करके भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। फेसबुक में साहिल संतवाणी नाम के आईडी द्वारा गाली गलौज किया गया है और सुमित वीरानी नामक व्यक्ति द्वारा अशांति फैलाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस शिकायत के बाद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बेमेतरा ने छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और JCP के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि जल्द ही ऐसे उपद्रवियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए उनकी प्राथमिकता है और वे ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला अध्यक्षों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के आश्वासन के लिए उनका आभार व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही शहर में शांति और सौहार्द बहाल होगा। परन्तु कार्यवाही नही होने की स्थिति में उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

एग्रीस्टेक में अब अपंजीकृत किसानों से व्यक्तिगत संपर्क कर करवाएं रजिस्ट्रेशन : कलेक्टर गोपाल वर्मा

कवर्धा। आगामी धान खरीदी के मद्देनजर किसानों के एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन को लेकर कलेक्टर गोपाल वर्मा ने राजस्व अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस वर्ष धान खरीदी के लिए एग्रीस्टेक में किसानों का पंजीयन होना अनिवार्य है। अभी जो कुछ किसान पंजीकृत नहीं हो पाए हैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से संपर्क करते हुए उनका पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित करें पोर्टल में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है अतः यह काम मिशन मोड में किया जाना है इसके लिए फील्ड स्तर पर एसडीएम तहसीलदार अपने पटवारी के माध्यम से किसानों से संपर्क कर पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करवाएं। उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत प्राप्त दावा आपत्ति का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदारों को इस पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। जिससे किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। उन्होंने सोसायटीज के पंजीयन के बारे में भी जानकारी ली और सभी के पंजीयन अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने अवैध धान परिवहन पर निगरानी रखने और कार्यवाही के निर्देश अधिकारियों को दिए। सीमावर्ती इलाकों में चेकपोस्ट स्थापित कर वहां 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि पूरी सतर्कता और गंभीरता से कर्मचारी ड्यूटी में तैनात रहें। उन्होंने किसानों के खसरा नंबर के आधार पर शून्य रकबा अथवा रकबे में किसी प्रकार की विसंगति के मामलों में तकनीकी सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए।

गविश यादव का राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में चयन

दल्लीराजहरा। नगर के वार्ड नं 16 के बालक गविश यादव पिता यशवंत यादव का राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा वर्ष 2025-26 के अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता सरगुजा संभाग 28 से 31 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है । वहीं गविश यादव का धमतरी जिला क्रिकेट संघ अंडर 14 के लिए भी चयन हुआ है गविश यादव के दल्लीराजहरा क्रिकेट ग्राउंड के एकेडमी कोच प्रद्युम्न कुमार के देख रेख में खिलाड़ी तैयारी कर राजहरा का नाम रोशन कर रहे हैं।सेजेस नया बाजार दल्लीराजहरा खेल अधिकारी मंजुला यदु के संरक्षण में तैयारी कर रहे है। गविश यादव के चयन पर उनके कोच खेल अधिकारी, परिवार जन, इष्ट मित्रों ने सफलता प्राप्त करने की बधाई दी।

आयुक्त दुर्ग संभाग सत्यनारायण राठौर ने किया बेमेतरा जिला निरीक्षण

कलेक्टरेट एवं अतिरिक्त कलेक्टर न्यायालय का किया विस्तृत अवलोकन

बेमेतरा। आयुक्त दुर्ग संभाग सत्यनारायण राठौर ने बेमेतरा जिले का दौरा कर कलेक्टरेट परिसर तथा न्यायालयीन शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर न्यायालय एवं अतिरिक्त कलेक्टर न्यायालय दोनों का विस्तृत निरीक्षण करते हुए न्यायिक कार्यप्रणाली, प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति तथा रोजनामचा एवं रोस्टर रजिस्टरों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रणबीर शर्मा स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने आयुक्त महोदय को बताया कि जिले में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए नियमित समीक्षा की जा रही है तथा ई-ऑफिस प्रणाली और केस ट्रैकिंग पोर्टल के माध्यम से सभी मामलों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर शर्मा ने यह भी बताया कि न्यायालयीन प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और नागरिक सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आयुक्त राठौर ने न्यायालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा करते हुए लंबित मामलों के समयसीमा में निराकरण, रिकॉर्ड संधारण, और आदेशों की अद्यतन प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायालयीन व्यवस्था आम नागरिकों के लिए सुगम, पारदर्शी और त्वरित न्याय प्रदान करने वाली होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कलेक्टरेट परिसर, अभिलेख शाखा, जनसुनवाई कक्ष का भी अवलोकन किया। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, अभिलेखों के रखरखाव, और जनता के बैठने की व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कुछ सुधारात्मक सुझाव भी दिए। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि न्यायालयीन और राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की निगरानी साप्ताहिक रूप से की जाए। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कलेक्टर न्यायालय में भी लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण की कार्यवाही चल रही है। इस अवसर पर न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

कार्तिक शुक्ल की तिथि में गुरुवार को सुहागिनों ने आंवला नवमी का पर्व मनाया.इस दौरान परिवार की सूख समृद्धि का कामना करते हुए आंवला की पूजा अर्चना की। दुर्ग के राजेंद्र पार्क की तस्वीर

फोटोः नाहीद शेख

निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु राजनैतिक दलों की बैठक 30 अक्टूबर को

बेमेतरा। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रेविशन - एसआईआर) कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इस संबंध में 30 अक्टूबर 2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे संयुक्त जिला कार्यालय परिसर स्थित दिशा सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, मतदाता सूची के अद्यतन की प्रक्रिया, एवं राजनीतिक दलों की सहभागिता से संबंधित विषयों पर चर्चा की जाएगी। जिला निर्वाचन कार्यालय, बेमेतरा ने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर निर्वाचन प्रक्रिया के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

हार्डवेयर शॉप में घुसी भारत ट्रेव्हल्स की यात्री बस भीड़ द्वारा बस में तोड़फोड़, ड्रायवरकी बेदम पिटाई

डोंगरगांव नगर। नगर के आउटर में स्टेटहाइवे स्थित नाहटा ट्रेडर्स के समीप भारत ट्रेव्हल्स की यात्री बस अनियंत्रित होकर हार्डवेयर की दुकान में घुस गई। इससे प्रतिष्ठान के सामने खड़ी कुछ बाईक का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। तभी राजनांदगाँव मार्ग की ओर से बस का पीछा करते आ रहे कुछ बाईक सवार भी पहुंच गए। तभी आक्रोशित भीड़ ने बस के ड्रायवर की जमकर पिटाई करते हुए बस में

पुलिस अभिरक्षा मिलने से बची ड्रायवर की जान

तोड़फोड़ कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ड्रायवर शराब के नशे में था। राजनांदगाँव से डोंगरगांव स्टेटहाइवे में भारत ट्रेव्हल्स की यात्री बस क्रमांक सीजी 08 एम 0315 पूरे मार्ग में अनियन्त्रित होकर चल रही थी। यात्रियों ने बताया कि बस मार्ग में अनियंत्रित होकर चल रही थी। इससे गुस्साए कुछ बाईक सवार भी बस का पीछा करते आ रहे थे। बस के कंडक्टर व चेकर सब कुछ देख रहे थे, इन्हें सब कुछ मालूम है, लेकिन ड्राइवर को कुछ नही बोल रहे थे। अंततः बस नाहटा ट्रेडर्स में कुछ बाइक को ठोकर मारते हुए घुस गई। एक बाइक होंडा साइन सीजी 08 बीसी 8744 का पीछे का हिस्सा, एवं एक अन्य बाईक में सामने का वाईजर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं एक महिला बाइक सवार ने बमुश्किल जान बचने की बात मीडिया बताई है। जब ड्राइवर ने बस को भगाने की कोशिश की, तब पीछा करते आ रहे बाईक सवारों के पहुंचते ही मौके पर आक्रोशित लोगों ने बस को पेट्रोल पंप के आगे रोककर ड्राइवर संतोष कुमार की पिटाई कर दी। इसी दरम्यान राहगीरों की भीड़ ने बस में तोड़फोड़ करते हुए सामने व खिड़कियों के कांच वगैरह तोड़ने की खबर है। सूत्रों की माने तो भीड़ डाइवर को शराब के नशे में धुत्त बता बताते हुए पिटाई कर रही थी, तो कुछ लोग बस का ब्रेक फेल बता रहे थे।

पुलिस को यात्री बस में तोड़फोड़ की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची, तब तक ड्राइवर की पिटाई हो चुकी थी। नाहटा ट्रेडर्स के संचालक ने लोगों को शान्त कराया तब पुलिस बस ड्राइवर को थाना लेकर गई। इस दरम्यान राहगीर सहित स्थानीय नागरिक भारत ट्रेवहल्स को लेकर बेहद आक्रोशित नजर आ रहे थे। बहरहाल पुलिस ने मोटर व्हीकल की कार्रवाई की है।

मुश्किल से बची महिला की जान

घटनास्थल पर महिला बाईक सवार ने मीडिया को बताया कि उन लोगों को बस ने मार्ग में टक्क र मार दिया था, जिससे वे लोग बमुश्किल बचे हैं। वहीं नाहटा ट्रेडर्स में बस घुसने के समय हमाल भी बमुश्किल जान बचा सके। चाहे बस का ब्रेक फेल हो या ड्रायवर नशेड़ी हो, एक बड़ी हानि हो सकती थी।

बस का ब्रेक फेल हुआ था। ड्रायवर नशे में नही था। मोटर व्हीकल की कार्वाई हुई है।
कृष्णा पाटले, इंस्पेक्टर

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com